www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

26.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 88.390g

चांदी 91.500 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 परिसीमन में साधना होगा संतुलन, दक्षिण के राज्य कर रहे विरोध

महिला दिवस पर जलालाबाद में विशेष कार्यक्रम 04

वर्ष :08 | अंक :256 | मुंबई ,रविवार , 09 मार्च , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी की कोशिश नाकाम, एक व्यक्ति की मौत

सिलीगुड़ी । पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक अज्ञात व्यक्ति को मार गिराया और इस मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया। यह घटना शुक्रवार तड़के दार्जिलिंग जिले के खालपारा गांव के पास हुई। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि 15 से 20 बांग्लादेशी बदमाशों के एक समूह ने अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक प्रवेश कर लिया था।प्रवक्ता ने बताया कि इन लोगों की मवेशियों और प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के लिए भारतीय क्षेत्र के बदमाशों से साठगांठ है। उन्होंने बताया कि जब बीएसएफ के गश्ती दल ने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो सभी बदमाशों ने धारदार हथियार और लाठियों से हमला कर दिया, उन्होंने पथराव भी किया। बदमाशों ने एक जवान से उसका हथियार छीनने की कोशिश की। प्रवक्ता ने कहा, अपनी जान को खतरा महसूस करते हुए जवान ने अपनी राइफल से गोली चलाई और बदमाश भाग गए। उन्होंने बताया कि बीएसएफ का एक जवान बुरी तरह घायल हो गया और एक अज्ञात व्यक्ति का शव मौके पर मिला।

उप्र में विवाह समारोह में हुए विवाद में एक किशोर की मौत

उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के चक्खान गांव में एक विवाह कार्यक्रम में नृत्य को लेकर हुए विवाद में एक किशोर की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के चक्खान गांव के श्री भगवान राजभर की पुत्री काजल की शादी पकड़ी थाना क्षेत्र के मुजही गांव निवासी सुलाभ राजभर के पुत्र रोहित के साथ होनी थी। इसने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को रात बारात मुजही से निकल कर चक्खान पहुंची। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने शनिवार को बताया कि विवाह कार्यक्रम में नृत्य को लेकर विवाद हो गया, जिसमें कृष्णा राजभर (15) की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया।पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।उन्होंने बताया कि इस मामले में चार लोगों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धारा में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

महिलाओं का आशीर्वाद मेरा कवच, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति : पीएम मोदी

वानसी-बोरसी में लखपति दीदी कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 1.1 लाख से अधिक महिलाओं को संबोधित किया

महिला दिवस

▸▸प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत महिलाओं के नेतृत्व में विकास की राह पर चल पड़ा है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमने करोड़ों महिलाओं के लिए शौचालय बनवाकर उनका सम्मान बढ़ाया है।

एजेंसी

गुजरात । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुजरात के नवसारी के वानसी-बोरसी में लखपति दीदी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जहां उन्होंने 1.1 लाख से अधिक महिलाओं को संबोधित किया। इसके अलावा नरेन्द्र मोदी ने में जी-सफल और जी-मैत्री सहित विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में माता गंगा का आशीर्वाद मिले और आज मातृशक्ति के इस महाकुंभ में आप सभी माताओं-बहनों के आशीर्वाद मिले। आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में माताओं, बहन-बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन... आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। उन्होंने कहा क आज इस दिन, मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं।

पीएम मोदी ने महिला दिवस पर नारी शक्ति को दी शुभकामनाएं

देश और दुनिया भर में आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। महिला दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि हम अपनी नारी शक्ति को नमन करते है। हमारी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने क लिए काम किया है। हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में दिखता है। आज, जैसा कि वादा किया गया था मेरी सोशल मीडिया प्रॉपर्टी उन महिलाओं द्वारा संभाली जाएगी जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं।

गुजरात कांग्रेस के आधे नेता बीजेपी से मिले:राहुल गांधी

हमारे बब्बर शेर चेन से बंधे; यहां पार्टी नाकाम यह कहने में शर्म नहीं

> कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि जब तक हम अपनी ज़िम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, गुजरात की जनता हमें चुनाव नहीं जिताएगी। जब तक हम अपनी ज़िम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, हमें गुजरात की जनता से सत्ता में आने के लिए भी नहीं कहना चाहिए। मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस दिन हम ऐसा करेंगे, गुजरात की जनता कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देगी।

एजेंसी

गुजरात में कांग्रेस फेल, मुझे यह बोलने में कोई शर्म नहीं

गुजरात फंसा हुआ है, यह आगे बढ़ना चाहता है। गुजरात की कांग्रेस पार्टी उसको रास्ता नहीं दिखा पा रही है। मैं ये बातें डरकर नहीं बोल रहा हूं और न शरमाकर बोल रहा हूं। मगर मैं आपके सामने ये बातें रखना चाहता हूं कि चाहे राहुल गांधी हो, चाहे जनरल सेक्रेटरी हों, हम गुजरात को रास्ता नहीं दिला पा रहे हैं।

गुजरात । लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस की लीडरशीप में दो तरह के लोग हैं। उनमें बंटवारा है। एक हैं जो जनता के साथ खड़े हैं, जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। दूसरे वे हैं, जो जनता से कटे हुए हैं, दूर बैठते हैं और उनमें से आधे बीजेपी से मिले हुए हैं।राहुल ने आगे कहा, मेरी जिम्मेदारी है कि जो ये दो ग्रुप हैं इनको छांटना है। कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है। बब्बर शेर हैं लेकिन पीछे से चेन लगी हुई है तो वे चेन से बंधे हैं। यहां रेस के घोड़ों को बारात में बांध दिया जाता है। राहुल दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार को दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने अहमदाबाद के जेड हॉल में प्रदेश के करीब 2 हजार कार्यकताओं को संबोधित किया। महिला दिवस के मौके पर राहुल गांधी ने महिला कार्यकताओं से भी मुलाकात की।उन्होंने कहा कि अगर हम गुजरात की जनता की रिस्पेक्ट करते हैं, तो साफ कहना पड़ेगा कि आज तक जनता की जो उम्मीदें हमसे थीं, मुझसे थीं, वे हम पूरी नहीं कर पाए। अगर ये नहीं बोलेंगे तो हमारा गुजरात की जनता से रिश्ता नहीं बनेगा। पार्टी के अंदर दो तरह के लोग, इन्हें अलग करना होगा गुजरात की जो लीडरशीप है उसमें दो तरह के लोग हैं। जब तक अपने इन दो ग्रुपों को अलग नहीं किया तब तक गुजरात की जनता हम में विश्वास नहीं करेगी।

इजरायली युवती समेत दो से गैंगरेप

पुरुष साथियों को नहर में फेंका, एक का मिला शव

▸▸ कर्नाटक में इजराइली पर्यटक और स्थानीय महिला के साथ गैंगरेप के बाद उनके साथ रहे पुरुषों पर हमला किया गया था. एक का शव मिला.

एजेंसी

गंगावती: कर्नाटक के कोप्पल जिले के गंगावती तालुक में शुक्रवार को दुष्कर्म का मामला सामने आया था. इजरायली महिला पर्यटक और होमस्टे की मालिक के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया. उनके साथ रहे तीनों पुरुषों को नहर में धकेल दिया गया था. उनमें से दो लोग सकुशल बाहर निकल आये, लेकिन एक लापता था. शनिवार को लापता पर्यटक का शव बरामद किया गया. कहां मिला शव: पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ओडिशा के बिबास (42) के रूप में की गयी. शव मल्लापुर में बिजली उत्पादन इकाई के पास मिला. शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद मृतक के परिवार को सौंप दिया गया. शुक्रवार को पूरे दिन तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला. शनिवार सुबह मल्लापुर में उसका शव मिला. क्या है घटना: पुलिस ने बताया कि अमेरिकी पर्यटक डेनियल और इजरायली मूल की एक महिला, गंगावती तालुका में होमस्टे चलाने वाली एक महिला, महाराष्ट्र के नासिक के एक युवक और ओडिशा का बिबास एक साथ छुट्टियां मनाने गए थे. गुरुवार आधी रात को तीन अज्ञात युवकों ने समूह पर हमला कर दिया था.

देश में इन्वेस्टमेंट का सबसे बड़ा डेस्टिनेशन है यूपी, माइक्रोसॉफ्ट ने इसे किया साबित: योगी आदित्यनाथ

बिना भेदभाव प्रगति के अवसर मिलेंगे लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा: योगी

> सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर देश की आबादी का सबसे बड़ा स्केल है मगर स्केल को स्पीड के साथ रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म करने में हमने सफलता पायी है। इसे प्रभावी तौर पर प्रदेश में लागू करने के लिए 33 सेक्टोरल पॉलिसी के माध्यम से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है।

एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सेक्टर-145 में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के शिलान्यास व एमएक्यू सॉफ्टवेयर के एआई इंजीनियरिंग सेंटर का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने उत्तर भारत में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ व चेयरमैन सत्य नडेला व समस्त टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की यह ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी खास है। यह न केवल नोएडा बल्कि समस्त उत्तर भारत के लिए आईटी सेक्टर के नए युग की शुरूआत है। माइक्रोसॉफ्ट ने यह साबित किया है कि आज के दिन पर उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट का सबसे बेहतरीन डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। सीएम योगी ने कहा कि मुझे बताया गया है कि माइक्रोसॉफ्ट का इंडिया डेवलपमेंट सेंटर उनके मुख्यालय के बाहर रिसर्च एंड डेवलपमेंट का सबसे बड़ा सेंटर बनेगा। इस केंद्र की स्थापना हो जाने पर हैदराबाद के बाद अब उत्तर प्रदेश में माइक्रोसॉफ्ट का नवीन परिसर के रूप में घर बनने जा रहा है।

हिजबुल मुजाहिद्दीन का आतंकी उल्फत हुसैन गिरफ्तार

17 साल से था फरार, पीओके से ली थी आतंकी ट्रेनिंग

▸▸उल्फत हुसैन को मुरादाबाद पुलिस ने 2002 में गिरफ्तार किया था. इसके बाद 2008 में जमानत पर वह जेल से बाहर आ गया था.

एजेंसी

मुरादाबाद: हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादी उल्फत हुसैन को मुरादाबाद पुलिस और सहारनपुर अळर की सयुंक्त टीम ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले से गिरफ्तार किया है. मुरादाबाद पुलिस और एटीएस की टीम ने उल्फत हुसैन को पुंछ में उसके घर से दबोचा है. उल्फत हुसैन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है. इस पर 25 हजार का इनाम घोषित था. यह 17 साल से फरार चल रहा था. उल्फत हुसैन को मुरादाबाद पुलिस ने 2002 में गिरफ्तार किया था. इसके बाद 2008 में जमानत पर वह जेल से बाहर आ गया था.आतंकी उल्फत हुसैन की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी देते एसपी सिटी रणविजय सिंह. उसके बाद से वह कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था. आतंकी उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल 1999-2000 में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ट्रेनिंग ली थी. फिर मुरादाबाद आकर किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था

फ्री मूवमेंट अभियान के पहले ही दिन हिंसा, बस पर किया गया हमला

दागने पड़े आंसू गैस के गोले

सेनापति जिले जाने वाली बस पर हमला उस समय हुआ जब कांगपोकपी जिले के गमगीफाई इलाके में भीड़ ने यात्री वाहन पर पत्थर फेंके। बस पर कथित तौर पर कुकी जनजातियों द्वारा हमला किया गया था, जो तब तक कोई स्वतंत्र आवागमन नहीं चाहते हैं जब तक कि राज्य से अलग प्रशासन की उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती।

एजेंसी

मणिपुर। मणिपुर में महीनों तक चली जातीय अशांति के बाद स्वतंत्र आवाजाही के पहले दिन ताजा हिंसा देखने को मिली, जिसमें कांगपोकपी इलाके में एक सार्वजनिक बस पर हमला किया गया। यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद हुआ है, जिन्होंने अधिकारियों को 8 मार्च, 2025 से पूरे राज्य में अप्रतिबंधित आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था, साथ ही व्यवधान पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया था। सेनापति जिले जाने वाली बस पर हमला उस समय हुआ जब कांगपोकपी जिले के गमगीफाई इलाके में भीड़ ने यात्री वाहन पर पत्थर फेंके। बस पर कथित तौर पर कुकी जनजातियों द्वारा हमला किया गया था, जो तब तक कोई स्वतंत्र आवागमन नहीं चाहते हैं जब तक कि राज्य से अलग प्रशासन की उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया, जिससे कुछ प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इससे पहले मुख्य सचिव ने बयान में कहा था कि राज्य परिवहन की बसें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के संरक्षण में चलेंगी ताकि जनता की असुविधा को कम किया जा सके और राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में पहल की जा सके।

2500 रुपए की योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए का बजट

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में दिल्ली कैबिनेट ने महिला समृद्धि योजना को लागू करने की इजाजत दे दी.

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की नवगठित बीजेपी सरकार ने महिलाओं से किए गए चुनावी वादे के तहत महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह सहायता धनराशि देने की योजना को मंजूरी दे दी है. कैबिनेट ने 5100 करोड़ रुपए योजना के लिए मंजूरी दी है. महिला दिवस के मौके पर इस योजना को मंजूरी देने के लिए शनिवार को दिल्ली सचिवालय में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई. इस बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा दिल्ली की महिलाओं के लिए आज बड़ा दिन है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो चुनाव में महिलाओं को समृद्ध करने के लिए वादा किया था आज उसके लिए दिल्ली सरकार की कैबिनेट में नए वित्त वर्ष में 5100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है.चार सदस्य कमेटी गठित: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस योजना को कैसे लागू किया जाएगा? इसके लिए चार सदस्य कमेटी बनाई है. जिसमें अध्यक्ष वे स्वयं होंगी. उनके अलावा मंत्री प्रवेश वर्मा, कपिल मिश्रा और आशीष सूद होंगे. कमेटी गाइडलाइंस तय करेगी और योजना का लाभ लेने के लिए जो पात्र महिलाएं होंगी वो पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगी. महिलाओं के लिए बड़ा सम्मान: दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में प्रदेश बीजेपी महिला मोर्चा द्वारा महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा आज सभागार में आई तो बड़ा भावुक महसूस किया, यह महिला दिवस के लिए सबसे बड़ा सम्मान है।

दिल्ली कैबिनेट की मंजूरी

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास सुनिश्चित करने के अपने सभी वादों को पूरा करेगी। हमने स्वास्थ्य, शिक्षा और हमारी नीतियों के मामले में दिल्ली को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने की योजना बनाई है।

भड़के बीजेपी बोली - आत्मचिंतन करें, मानसिकता हालत खराब

कांग्रेस में गुटबाजी पर भड़के राहुल गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस पिछले तीन दशकों में गुजरात के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने में असमर्थ रही है, क्योंकि कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग अंदर से भाजपा के साथ साठगांठ कर रहा है। अब इसी को लेकर भाजपा की ओर से राहुल गांधी पर पलटवार किया गया है। बीजेपी सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इस समय भारत की राजनीति के चिर युवा नेता, जो गुजरात चुनाव के दौरान संभवतः एक भी सभा करने के लिए गुजरात नहीं गए और जो कांग्रेस पार्टी के 140 वर्ष के इतिहास के सर्वाधिक असफल अध्यक्ष हैं, वो गुजरात कांग्रेस में सफलता का मूलमंत्र सिखाने के लिए कार्यकताओं की बैठक ले रहे थे। त्रिवेदी ने कहा कि ये कांग्रेस का अंदरूनी मामला है, लेकिन उनके द्वारा दिए गए बयान निश्चित रूप से एक बार फिर कांग्रेस की आंतरिक दुर्गति और राहुल गांधी की विचित्र मनोस्थिति को इंगित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और सरकारी एजेंसियों और मीडिया को दोष देते-देते राहुल गांधी ने अब अपनी ही पार्टी के नेताओं को दोष देना शुरू कर दिया है। मैं उन्हें सुझाव देना चाहूंगा कि वे थोड़ा आत्मचिंतन करें। यह कांग्रेस की खराब स्थिति और राहुल गांधी की मानसिकता को दशार्ता है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस में 2 प्रकार के लोग हैं, कोई इससे मिला हुआ है कोई उससे मिला हुआ है। अपनी पार्टी के लोगों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का ऐसा उदाहरण कहीं देखने को नहीं मिलेगा। सवाल करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि हम राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं कि आप किस किस से मिले हुए हैं और आप जब विदेश जाते हैं, तो किस किस से मिलकर आते हैं और आपके साथ मिलने वाले लोग किस किस से मिले हुए हैं। जबसे सोनिया जी और राहुल जी का दौर आया है, तबसे ही कांग्रेस की स्थिति गुजरात में ज्यादा खराब हुई है। उन्होंने कहा कि गुजरात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाई। लेकिन आज तक कांग्रेस या गांधी परिवार का कोई भी नेता वहां नहीं गया। ये इस बात के प्रमाण है कि अपने नेताओं के प्रति भी इनका सम्मान बदल जाता है। आपको बता दें कि अहमदाबाद में राहुल गांधी ने आज कहा था कि गुजरात का नेतृत्व, गुजरात के कार्यकर्ता, गुजरात के जिला अध्यक्ष (कांग्रेस), ब्लॉक अध्यक्ष, इनमें दो तरह के लोग हैं, विभाजन है।

> बीजेपी सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इस समय भारत की राजनीति के चिर युवा नेता, जो गुजरात चुनाव के दौरान संभवत: एक भी सभा करने के लिए गुजरात नहीं गए और जो कांग्रेस पार्टी के 140 वर्ष के इतिहास के सर्वाधिक असफल अध्यक्ष हैं, वो गुजरात कांग्रेस में सफलता का मूलमंत्र सिखाने के लिए कार्यकताओं की बैठक ले रहे थे।

असम पुलिस ने रणवीर इलाहाबादिया को दिया धक्का और जोर से खींचा

एजेंसी

नयी दिल्ली। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया लगातार सुर्खियों में चल रहे है। यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लेटेंट में दी गई अपनी विवादास्पद टिप्पणी के बाद से उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले की जांच के बीच रणवीर असम पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए गुवाहाटी पहुंचे है। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पुलिस कर्मी पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को धक्का देते हुए दिख रहे है। गुवाहाटी पुलिस ने इलाहाबादिया से चार घंटे से ज्यादा पूछताछ की। वायरल वीडियो के मुताबिक कुछ पुलिस अधिकारी रणवीर को सीढ़ियों से ऊपर ले जाते दिख रहे हैं। इस दौरान कुछ खींचतान भी पुलिसकर्मिमियों और रणवीर के बीच हुई है।गुरुवार रात गुवाहाटी शहर पहुंचे इलाहाबादिया क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए थे। इस पेशी के दौरान उनसे कई घंटों तक पूछताछ की गई। उनके साथ उनके वकील भी थे। संयुक्त आयुक्त अंकुर जैन ने पुलिस टीम का नेतृत्व करते हुए इलाहाबादिया से पूछताछ की, जिनकी यूट्यूब शो पर की गई टिप्पणियों से इंटरनेट पर काफी आक्रोश फैल गया था।

> इलाहाबादिया ने पुलिस को भविष्य में भी सहयोग देने का आश्वासन दिया है और कहा है कि जब भी उन्हें मामले के लिए बुलाया जाएगा, वह गुवाहाटी आएंगे। जैन ने कहा, यह एक जारी जांच है और चार और लोगों का आना अभी बाकी है। शो के तीन प्रतिभागी, जो हमारे सामने पेश नहीं हुए हैं।

सम्पादकीय

ब्रिटेन की लीपापोती, खालिस्तान समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई हो

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान उनके समक्ष लंदन में खालिस्तान समर्थकों ने उत्पात मचाया। इसकी ब्रिटेन ने सिर्फ आलोचना कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली। जबकि होना यह चाहिए कि ब्रिटेन को खालिस्तानी समर्थकों पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं भारत को भी इस मामले को कड़े तरीके से उठाकर अपना रोष प्रकट करना चाहिए।इस पर आश्चर्य नहीं कि लंदन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के समक्ष खालिस्तान समर्थकों के उत्पात और भारतीय ध्वज के अपमान पर ब्रिटेन सरकार की सफाई भारतीय विदेश मंत्रालय को रास नहीं आई, लेकिन भारत को असंतोष प्रकट करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उसे ब्रिटेन को इसके लिए बाध्य करना चाहिए कि वह ऐसी भारत विरोधी हरकतों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि ब्रिटेन ने हर बार निंदा-आलोचना करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि ब्रिटिश सरकार राजनीतिक कारणों से अपने यहां सक्रिय खालिस्तान समर्थकों की भारत विरोधी गतिविधियों से मुंह मोड़े हुए है। इसी कारण उनका दुस्साहस बढ़ता चला जा रहा है। अतीत में वे भारतीय उच्चायोग पर धावा बोलने के साथ गुरुद्वारा पहुंचे भारतीय उच्चायुक्त पर हमले की कोशिश कर चुके हैं। इसके अलावा वे जब-तब सार्वजनिक रूप से भारतीय ध्वज का अपमान करते रहते हैं और अपनी दुष्टता के खिलाफ आवाज उठाने वाले ब्रिटिश सिखों को धमकाते भी रहते हैं। इसका कारण यही है कि ब्रिटेन उनसे कड़ाई से निपटने के लिए तैयार नहीं। भारत ने यह सही कहा कि खालिस्तान समर्थक तत्वों को यह पता है कि ब्रिटिश सरकार उनके खिलाफ कुछ नहीं करेगी। यदि ब्रिटेन खालिस्तान समर्थक तत्वों को मूक समर्थन देते रहता है तो भारत को मुक्त व्यापार समझौता संबंधी वाताओं को स्थगित करने की हद तक जाने से संकोच नहीं करना चाहिए। इसी के साथ उसे खालिस्तान समर्थक तत्वों की पहचान कर उनके ओसीआइ यानी विदेशी भारतीय नागरिकता कार्ड रद कर उनके भारत आने पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। इसके अतिरिक्त भारत में उनकी संपत्तियों को जब्त भी किया जाना चाहिए। इस तरह की कार्रवाई आस्ट्रेलिया, कनाडा आदि में रह रहे खालिस्तान समर्थकों के भी खिलाफ करनी चाहिए, क्योंकि ब्रिटेन की तरह वे इन देशों में भी बेलगाम हैं। वे कनाडा और आस्ट्रेलिया में अनेक हिंदू मंदिरों को निशाना बना चुके हैं। भारत को यह समझना होगा कि पश्चिमी देश उसकी नाराजगी को हल्के में लेते हैं और जानबूझकर खालिस्तान समर्थकों की अनदेखी करने में लगे हुए हैं।

आज का विचार

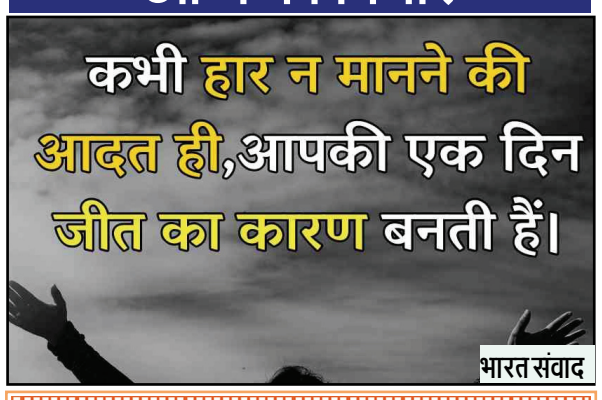

मेष राशि: मेष राशि के जातकों के लिए कल पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. नौकरी में आपके बॉस आपको कोई जिम्मेदारी दे, तो आप उसमें ढील बिल्कुल ना दें.

वृष राशि : वृषभ राशि के जातकों के लिए कल दिन धन संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है. रोजगार की तलाश में लगे लोगों को कोई अच्छे सफलता हासिल होगी.

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के लिए कल दिन सुख शांति भरा रहने वाला है. आपको अपने रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए समय निकालना होगा. आपको किसी दुर रह रहे परिजन से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है.

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों के लिए कल दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है. आपकी इन्कम के सोर्स बढ़ेंगे. आपको धन संबंधित मामलों में जल्दबाजी बिल्कुल नहीं करनी है. आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है.

सिंह राशि: सिंह राशि के जातकों को कल धैर्य व संयम से काम लेने की आवश्यकता है. आपके सभी काम पूरे होंगे. आपको अपने मन में सक्रियता बनाए रखनी होगी. जो लोग बेरोजगार हैं, उनको भी अच्छा अवसर हाथ लगेगा. आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करते समय जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए कल दिन बाकी दिनों की तुलना से अच्छा रहने वाला है. आप अपनी शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे. कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आप पर कृपा बनी रहेगी. आपके विरोधी भी आपको आसानी से मात दे सकेंगे.

तुला राशि: तुला राशि के जातकों के लिए कल दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है. यदि पैतृक संपत्ति को लेकर कोई वाद विवाद लंबे समय से चल रहा था, तो उससे आपको छुटकारा मिलेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल दिन अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा. आपके बिजनेस की योजनाएं बेहतर लाभ देंगी. आपके परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है. आपको भागदौड़ अधिक रहेगी.

धनु राशि : धनु राशि के जातकों को कल बुद्धि व विवेक से काम लेकर ही निर्णय लेने के लिए रहेगा. आपको रुके हुए धन की प्राप्ति होगी. आपके विरोधी कार्य क्षेत्र में आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे.

मकर राशि: मकर राशि के जातकों के लिए कल दिन विशेष रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा. आर्थिक मामलों में आपको लापरवाही बिल्कुल नहीं बरतनी है. आपको विभिन्न स्त्रोतो से आय प्राप्त हो सकती है. आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहद बेहतर रहेगी.

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों के लिए कल दिन बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है. आपके ऊपर यदि कोई काम का दवाब था, तो वह भी दुर होगा. आपको टेंशन में से काफी हद तक राहत मिलेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है. आप अपने महत्वपूर्ण कामो को समय से निपटाने की कोशिश करेंगे. सेहत में चल रही समस्याओं को लेकर आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं. धार्मिक कार्यों के प्रति भी आपके काफी रुचि रहेगी.

मीन राशि : मीन राशि के जातको के लिए कल दिन सुख सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है. नौकरी में आपको प्रमोशन मिलेगा. आप अपने किसी मित्र के लिए कुछ रुपयो का इंतजाम भी करना पड़ सकता है. आपको अपने धन संबंधित कामों को कल पर टालने से बचना होगा. जीवन साथी की आपसे यदि कोई अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी और आपकी इन्कम के सोर्स बढ़ेंगे

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

परिसीमन में साधना होगा संतुलन, दक्षिण के राज्य कर रहे विरोध

> **नए परिसीमन में यह सुनिश्चित करना होगा कि बढ़ती जनसंख्या से लेकर विकास के प्रति गंभीरता का भी बराबर ख्याल रखा जाए। दक्षिणी राज्यों को आशंका सता रही है कि जनसंख्या नियंत्रण के उनके प्रयासों को नए परिसीमन को पलीता लग सकता है। इसी कारण इन राज्यों में विरोध के स्वर भी मुखर होने लगे हैं। उत्तर-दक्षिण विभाजन की बहस के अलावा संभावित परिसीमन में और भी चुनौतियां हैं।**

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद में प्रतिनिधित्व का पैमाना अभी तक 1971 की जनगणना पर ही अटका हुआ है। इसके पीछे यही तर्क रहा कि जनसंख्या नियंत्रण में सफल रहे राज्यों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर संभावित नुकसान से बचाना। हालांकि यह समयसीमा 2026 में समाप्त हो रही है और अब नए सिरे से परिसीमन प्रस्तावित है। इसे लेकर बहस भी शुरू हो गई है। दक्षिणी राज्यों को आशंका सता रही है कि जनसंख्या नियंत्रण के उनके प्रयासों को नए परिसीमन को पलीता लग सकता है। इसी कारण इन राज्यों में विरोध के स्वर भी मुखर होने लगे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक प्रकार से इस अभियान की कमान भी संभाल रखी है। दक्षिण के अन्य राज्य भी उत्तर भारत के वर्चस्व को लेकर सशंकित होने के कारण उनके सुर में सुर मिला रहे हैं। ऐसे स्वरों को शांत करने के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन भी दिया है कि परिसीमन में दक्षिणी राज्यों के हितों पर कोई आघात नहीं होने दिया जाएगा। भारतीय संविधान ने एक ऐसी चुनावी प्रक्रिया की संकल्पना की थी, जिसमें प्रत्येक सांसद कमोबेश बराबर लोगों का प्रतिनिधित्व करे। संविधान के अनुच्छेद 81, 82 और 170(3) में यही व्यवस्था की गई है कि समय-समय पर सीटों का नए सिरे से परिसीमन किया जाए जिसमें जनसंख्या परिवर्तन के रुझान को अपेक्षित रूप से समायोजित किया जा सके। इस समय भारत का चुनावी मानचित्र 1971 की जनगणना पर अटका

हुआ है, जब उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की जनसंख्या में उतना अंतर नहीं था, जितना आज है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या अभी 24 करोड़ से अधिक है जो तमिलनाडु से लगभग दोगुनी है, लेकिन उसकी लोकसभा सीटें अभी भी 1971 के स्तर पर ही हैं। क्या यह उचित है? यदि परिसीमन के लिए मौजूदा जनसंख्या पैमाना बनी तो तय है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में लोकसभा सीटें खासी बढ़ेंगी। जबकि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में सीटें अपेक्षाकृत घटेंगी। स्वाभाविक है कि दक्षिणी राज्यों के लिए यह घाटे का सौदा होगा। उन्हें लगेगा कि बेहतर गवर्नेंस के बावजूद उन्हें दंडित किया जा रहा है? दशकों से उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन से जुड़े प्रयासों में भारी निवेश किया है, जिसने जनसंख्या वृद्धि को थामा है। इसी बीच कई उत्तरी राज्यों में जन्मदर ऊंची बनी हुई है। इसके बावजूद उनकी राजनीतिक शक्ति बढ़ जाएगी। फिर सवाल उठेगा कि क्या लोकतंत्र में अक्षमताओं को पुरस्कृत किया जाता है? वैसे भी क्षेत्रीय क्षत्रप परिसीमन के मुद्दे को संघीय ढांचे के लिए अपने संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। तमिलनाडु और केरल की दलील है कि प्रतिनिधित्व की कसौटी केवल जनसंख्या न होकर विकास संबंधी उपलब्धियां और आर्थिक योगदान भी होनी चाहिए। हैरानी की बात यह है कि इस समय ऐसी आवाजें शांत हैं, जो रह-रहकर ह्यजिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारीह्न का राग अलापती रहती हैं। साफ है कि ह्यजितनी आबादी, उतना हक वाला उनका नारा भी सुविधावादी राजनीति से जुड़ा है। उत्तर-दक्षिण विभाजन की बहस के अलावा संभावित परिसीमन की राह में और भी चुनौतियां हैं। ऐसा ही एक मुद्दा है एससी-एसटी के लिए निर्धारित सीटों का समायोजन। उनके प्रतिनिधित्व में जनसांख्यिकीय बदलाव झलकना ही चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करना बहुत मुश्किल है। ध्यान रखना होगा कि इस कवायद में राजनीतिक समीकरण न बिगड़ें। एक और चुनौती शहरी-ग्रामीण असंतुलन के स्तर पर होगी। तेजी से हुए शहरीकरण से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में जनसंख्या बहुत अधिक बढ़ गई है, लेकिन संसद में उनका प्रतिनिधित्व नहीं बदला है। क्या अपने आर्थिक महत्व के चलते शहरी केंद्रों को अधिक सीटें नहीं मिलनी चाहिए या ग्रामीण प्रतिनिधित्व को संरक्षण प्रदान कर सुनिश्चित किया जाए कि राजनीतिक गलियारों में उनकी आवाज कमजोर नहीं पड़ेगी? शहरों में भारी पैमाने पर हुए पलायन ने स्थिति और जटिल बना दी है। कई शहरों में विस्थापित श्रमिकों की बड़ी आबादी है। ये श्रमिक काम तो शहरों में करते हैं, मगर इनमें से अधिकांश के वोट मूल स्थानों पर होते हैं। ऐसे में परिसीमन कुल आबादी के आधार पर हो या पंजीकृत मतदाताओं की संख्या पर, यह पहलू भी विभिन्न क्षेत्रों के बीच शक्ति संतुलन साधने में अहम भूमिका निभाएगा। परिसीमन के परिदृश्य पर संभावित समाधानों एक सुझाव यही दिया जा रहा है कि अगले 30 वर्षों के लिए पुरानी व्यवस्था को ही यथावत कायम रखा जाए, ताकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल रहे राज्यों को कोई खामियाजा न भुगतना पड़े। हालांकि इससे वह विसंगित कायम रह जाएगी, जहां कुछ सांसद अपने अन्य साथियों की तुलना में कहीं बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। एक समाधान यह भी हो सकता है कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ा दी जाए। इससे किसी क्षेत्र में सीटों की संख्या में कटौती किए बिना जनसंख्या को सही प्रतिनिधित्व भी मिल जाएगा। इससे किसी क्षेत्र में असंतोष भी नहीं भड़केगा। कुछ विशेषज्ञ जीडीपी योगदान, साक्षरता दर और गवर्नेंस सक्षमता जैसे कारकों को भी परिसीमन में महत्व देने की पैरवी कर रहे हैं। हालांकि यह काफी जटिल होगा और संभव है कि उत्तरी राज्यों में राजनीतिक वर्ग इसका विरोध करे परिसीमन संवेदनशील मुद्दा है, जिसे सुलझाने के लिए समग्र दृष्टिकोण चाहिए। इसमें सुनिश्चित करना होगा कि सभी राज्य और प्रमुख हितधारक सक्रिय सहभागिता के साथ किसी स्वीकार्य समझौते पर सहमत हों, जिसमें प्रतिनिधित्व, गवर्नेंस और क्षेत्रीय हितों का संतुलन साधा जा सके। ऐसा संतुलन, जिसमें बढ़ती आबादी से लेकर विकास के प्रति गंभीरता का बराबर ख्याल रखा जाए। उसमें कोई स्वयं को राजनीतिक हाशिये पर न देखे और समान लोकतांत्रिक सहभागिता संभव हो सके। इस मुद्दे को संजीदगी से संभालना होगा, क्योंकि परिसीमन लोकतांत्रिक शुचिता बढ़ाने के साथ ही प्रत्येक मत के महत्व और संघीय सिद्धांतों के प्रति सम्मान का भी प्रतीक होगा।

क्रिकेट, राजनीति और सन्यास

(राकेश अचल)

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। दुनिया के तमाम क्रिकेटर स्मिथ की तरह ही क्रिकेट से एक तय समय के बाद खुद सन्यास लेने का सार्वजनिक ऐलान करते हैं ,लेकिन दुनिया में खासतौर पर भारत में ऐसे बहुत कम नेता हैं जो स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान करते हों। भारतीय परम्परा में तो सन्यास जीवन की सर्वोत्कृष्ट अवस्था है। सन्यास की सनातन परम्परा सामंतकाल में भी थी लेकिन लोकतंत्र में इसका परित्याग कर दिया गया है। अकेली राजनीति ऐसी है जिसमें आश्रम व्यवस्था लागू नहीं होती। यानि न नेता ब्रह्मचर्य का पालन करता है , न गृहस्थ रहना चाहता है और न वानप्रस्थ में जाना चाहता है ,सन्यास लेना तो बहुत दूर की बात है। राजनीति में जब कोई सन्यास नहीं लेता तो उसे मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जाता है।

मैंने जब से होश सम्हाला है तभी से राजनीति में सक्रिय बहुत कम लोगों को राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा करते देखा है ,उलटे सन्यास ले चुके लोग राजनीति में घुसपैठ करते जरूर देखे हैं और इस समय तो राजनीति में सन्यासियों की पौ -बारह है। वे केंद्र में भी मंत्री हैं और राज्य में मुख्यमंत्री भी। खिलाड़ियों का खेल से सन्यास लेना आम बात है लेकिन राजनीति में सन्यास लेना खास घटना मानी जाती है। नेताओं को उनकी अपनी पार्टियां जबरन हाशिये पर डाल देतीं हैं क्योंकि वे खिलाड़ियों की तरह खेल भावना से राजनीति से सन्यास नहीं लेते। किसी भी दल में राजनीति से सन्यासी न हों ऐसी बात नहीं है,लेकिन उनकी संख्या न के बराबर है। नानाजी देशमुख, कामराज या ज्योति बसु जैसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लिया हो । सवाल यह है कि आखिर राजनीति में ऐसा क्या है जो नेता उससे सन्यास नहीं लेना नहीं चाहते ? इस विषय पर न किसी ने शोध किया है और न पीएचडी की उपाधि हासिल की है ,क्योंकि इस विषय पर शोध करने की न फुरसत है और न इजाजत। मान लीजिये इजाजत मिल भी जाए तो गाइड नहीं मिलेगा। क्योंकि विषय ही अछूत है।

राजनीति से सन्यास लेने वाले भारत के प्रमुख नेताओं पर यदि आपको निबंध लिखने के लिए कह दिया जाये तो आप मुश्किल से एक-दो पृष्ठ ही लिख पाएंगे,क्योंकि राजनीति से ससम्मान सन्यास लेने वाले हैं ही गिने चुने। देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर आज के प्रधानमंत्री तक किसी ने राजनीति से सन्यास लेने के बारे में कार्ययोजना बनाना तो दूर, कभी सोचा तक नहीं। इस मामले में हर विचारधारा के नेता एक जैसा सोचते है। राजनीति में व्यक्ति जीवन पर्यन्त सक्रिय रहना चाहता है। कुर्सी के बिना जीवित रहना किसी भी नेता के लिए असम्भव काम है। भारतीय राजनीति में कोई सन्यास नहीं लेता लेकिन शारीरिक अस्वस्थता की वजह से उसे घर बैठना पड़े तो अलग बात है। मिसाल के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी।

दुनिया में राजनीति ही एक मात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ सन्यास का न कोई लिखित विधान है और न कोई विवादास्पद इतिहास। हमारे सनातन में तो राजा- महाराजा अपने जीते जी अपने उत्तराधिकारी की न सिर्फ घोषणा कर देते थे बल्कि उनका राज्याभिषेक भी करा देते थे। राजनीति में नेता अपने उत्तराधिकारी तो घोषित करते हैं लेकिन खुद सन्यास नहीं लेते। हमारी संसद और विधानसभाओं में पिता-पुत्र ,पति-पत्नी, भाई-भाई साथ -साथ मिल जायेंगे। राजनीति से नेताओं को सन्यास केवल मृत्यु ही दिलाती है। मुमकिन है कि मै गलत होऊं ,लेकिन मैंने तो अपनी स्मृति में अपवादों को छोड़ किसी को औपचारिक रूप से सन्यास लेते नहीं देखा। आपने देखा हो तो जरूर बताएं।

मौजूदा राजनीति में हमारे अनेक नेता 80 पार कर चुके हैं लेकिन राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं हैं ,ये भी पता नहीं चल पता कि राजनीति ने नेताओं को पकड़ रखा है या नेताओं ने राजनीति को ? अब कांग्रेस से ही शुरू कीजिये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या ,श्रीमती सोनिया गाँधी सन्यास के बारे में कोई योजना अभी तक नहीं बना पायीं हैं। भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी राजनीति से सन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। एनसीपी के शरद पंवार हर बार, आखिरी बार कहते हैं और हर बार राजनीति से चिपके दिखाई देते हैं। राजद के लालू प्रसाद जी ने अपनी पत्नी और बेटे -बेटियों को भी स्थापित कर दिया लेकिन सन्यास की घोषणा नहीं की। बहन मायावती तो किसी आश्रम में रहीं ही नहीं इसलिए उनके सन्यास आश्रम में जाने का सवाल ही नहीं उठता। सन्यास की उम्र तो बहन ममता बनर्जी की भी हो गयी है लेकिन वे भी इस बारे में शायद सोच नहीं पायी हैं। नीतीश कुमार भी सन्यासी नहीं बनना चाहते। समाजवादियों में भी कोई सन्यासी हो तो आप बताइये ? वामपंथियों में एकमात्र ज्योति बसु अपवाद रहे,उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से सन्यास लेकर बुद्धदेव भट्टाचार्य को अपना उत्तराधिकारी बना दिया था ,अन्यथा वामपंथी भी आजन्म नेता होते हैं और मरते समय तक पोलित ब्यूरो सम्हालने का हौसला रखते हैं।

मुझे लगता है कि राजनीति में सन्यास शब्द से चिढ़ने वाले,सन्यास को फालतू की चीज मानने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसी दल में कोई ऐसा नेता नहीं है जो स्मिथ,सचिन तेंदुलकर और कपिल देव की तरह अपने सक्रिय जीवन से सन्यास लेने की घोषणा कर अपने चाहने वालों को चौंकाए। अमेरिका में जो वाइडन 80 पार कर भी सन्यासी नहीं बने ,वे तो ईसाई हैं ,उनके यहां शायद सन्यास की व्यवस्था नहीं है। वहां शायद रिटायरमेंट चलता है। हम भारतीयों की जीवन शैली में सन्यास एक खास व्यवस्था है लेकिन हमारे नेता सन्यास के नाम से ही बिदक जाते हैं। आपको यकीन न हो तो अपने क्षेत्र के किसी विधायक,सांसद,मंत्री या अपने वार्ड के पार्षद से ही राजनीति से सन्यास लेने के बारे में प्रश्न करके देख लीजिये ? हकीकत समझ जायेंगे।

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी बढ़ी

बिहार में विधानसभा चुनाव इसी वर्ष अक्टूबर-नवम्बर महीने में होंगे। हालांकि, उससे महीनों पहले राज्य में धार्मिक और राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। कहीं एनडीए और यूपीए एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोकते प्रतीत हो रहे हैं तो कहीं उनके गठबंधन के अपने ही साथी एक-दूसरे को रणनीतिक मात देते हुए अपनी सीटें बढ़ाने को लेकर बेताब नजर आ रहे हैं। इस नजरिए से भाजपा-जदयू की धींगामुश्ती और राजद-कांग्रेस की अंदरूनी कुश्ती के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी सबके बने बनाए खेल बिगाड़ रही है। एक तरफ जहां धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के वोटों का बिखराव तय माना जा रहा है, वहीं हिंदुत्व का नया जनज्वार यहां भी पैदा होती दिखाई दे रही है। इससे जदयू के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कम, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके समर्थक ज्यादा परेशान हैं। इस बीच बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जब अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के साथ बिहार पहुंचे, तो रही सही कसर पूरी हो गई। क्योंकि उनका हुर्मुठ धार्मिक अंदाज बिहारियों पर भी अपना छाप छोड़ेगा ही। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सुपौल में और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी पटना में यानी राज्य में मौजूद हैं। इससे धीरेंद्र शास्त्री के गोपालगंज में पांच दिवसीय हनुमंत कथा की समां बंध चुकी है। वहीं, बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है। दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक हैं। पंडित शास्त्री का यह कहना कि वह अब सनातनियों को झुकने नहीं देंगे, हिंदुओं की आबादी घटने नहीं देंगे, और भारत के पहले ही बहुत टुकड़े हो चुके हैं, इसलिए अब भारत के और टुकड़े होने नहीं देंगे, को सुनकर हिन्दू गदगद हैं। वहीं, पंडित शास्त्री ने सवालिया लहजे में यह पूछकर अपना धार्मिक एजेंडा स्पष्ट कर दिया है कि ईसाइयों के हितचिंतक 95 देश हैं, इस्लामी मतावलंबियों यानी मुसलमानों के हितचिंतक 65 देश हैं, लेकिन हिंदुओं का हितचिंतक कौन देश है? उन्होंने अपनी चिंता प्रकट करते हुए आगे कहा कि भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, भूटान, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम आदि देशों में जो 150 करोड़ हिन्दू हैं, जो दुनिया की तीसरी बड़ी धार्मिक आबादी है, उनका हितचिंतक तो अखंड भारत के ही देशों को होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। यदि ये ऐसा नहीं करेंगे तो हम डंके की चोट पर उनसे हिंदुत्व से जुड़े ये कार्य करवाएंगे, लेकिन हिंदुओं का अहित नहीं होने देंगे। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि हम हिंदुओं के लिए ही जीयेंगे और हिंदुओं के लिए ही मरेंगे। इसलिए हम पूरे भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में घूम-घूम कर हिंदुत्व का अलख जगा रहे हैं। मुझे बिहार के लोगों से ज्यादा उम्मीद है। हिन्दू राष्ट्र की मजबूत हुंकार इसी क्रांतिकारी भूमि से भरी जाएगी। स्वाभाविक है कि बिहार में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री का एक धार्मिक नेता वाला अवतार दिखा। इससे पहले वह उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों को भी हिंदुत्व और भारतीयता के लिहाज से जगाते चले आ रहे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि जिंदगी कितनी भी अच्छी हो, यदि इसमें भक्ति ना हो तो वह किसी काम की नहीं। जीवन में भक्त और भक्ति एक दूसरे के बिना सफलता की कामना संभव नहीं है। इसलिए पुरुषार्थ करते रहिए, जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा, जीवन में सबका सम्मान करें। छोटे से छोटे व्यक्ति भी सम्मान के पात्र होते हैं। जीवन के कर्तव्यों के साथ-साथ भक्ति भी जरूरी है।

महिलाओं को एक हत्या करने की दी जाए छूट', शरद पवार की पार्टी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

●शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष रोहिणी खडसे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लिखे पत्र में कहा कि महिलाएं दमनकारी मानसिकता, बलात्कारी मानसिकता और निष्क्रिय कानून व्यवस्था की प्रवृत्ति को खत्म करना चाहती हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) की महिला शाखा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अजीबोगरीब मांग कर दी है। महिला शाखा ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मद्देनजर एक हत्या के लिए सजा से छूट देने का आग्रह किया है। शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष रोहिणी खडसे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लिखे पत्र में कहा कि महिलाएं दमनकारी मानसिकता, बलात्कारी मानसिकता और निष्क्रिय कानून व्यवस्था की प्रवृत्ति को खत्म करना चाहती हैं।खडसे ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में मुंबई में 12 वर्षीय लड़की के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना का जिक्र किया। खडसे ने पत्र में कहा, हम सभी महिलाओं की ओर से एक हत्या करने पर (दंड से) छूट की मांग कर रहे हैं। इस पत्र का उद्देश्य राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधना है। उन्होंने एक सर्वेक्षण रिपोर्ट का भी हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि भारत महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश है क्योंकि उनके खिलाफ अपहरण और घरेलू हिंसा सहित कई अपराध हो रहे हैं।खडसे ने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारी मांग पर गंभीरता से विचार करने के बाद उसे स्वीकार कर लिया जाएगा।

लाडली बहन योजना से 2.38 करोड़ महिलाओं को मिले 17,000 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र सरकार ने पेश की 7 महीने की रिपोर्ट

लाडली बहन योजन की आलोचना भी हो रही है। कुछ लोग कहते हैं कि यह योजना सिर्फ चुनाव जीतने के लिए लाई गई है। वे कहते हैं कि सरकार को महिलाओं के लिए और भी कई काम करने चाहिए। जैसे, उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर मौके देने चाहिए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

- लाडली बहन योजना को लेकर रिपोर्ट पेश
- 2.38 करोड़ महिलाओं को 17,000 करोड़ की मदद
- पेश की गई आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने 'माझी लड़की बहिन योजना' के तहत महिलाओं को बड़ी आर्थिक मदद दी है। इस योजना की शुरूआत पिछले साल हुई थी। सात महीनों में ही 2.38 करोड़ महिलाओं को 17,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की आर्थिक सहायता मिल चुकी है। यह जानकारी महाराष्ट्र विधानमंडल में शुक्रवार को पेश की गई आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट में सरकार ने सामाजिक क्षेत्र में किए गए कुल खर्च का ब्यौरा दिया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सरकार ने जून 2024 में 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' शुरू की थी।इसका मकसद 21 से 65 साल की महिलाओं और लड़कियों का पुनर्वास, आर्थिक विकास और सशक्तिकरण करना है। इस योजना के तहत दिसंबर 2024 तक 2.38 करोड़ महिलाओं को 17,505.90 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपये दिए जाते हैं। इससे महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक पुनर्वास करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना, उनका सशक्तिकरण करना और उन पर निर्भर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार लाना है।

रिपोर्ट में क्या

यह जानकारी ऐसे समय में आई है जब सरकार की आलोचना हो रही है। कहा जा रहा है कि राज्य में लाभार्थियों की संख्या घट रही है। यह भी कहा जा रहा है कि यह योजना सिर्फ.चुनावी फायदे के लिए लाई गई है। आर्थिक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि राज्य में जेंडर बजटिंग आवंटन बढ़ा है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि कुल राज्य बजट में जेंडर बजट का हिस्सा 2023-24 में 3.1% और 2024-25 में 3.3% है।

लाभार्थियों की संख्या घटी

2023-24 में यह आवंटन 20,391 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में थोड़ा बढ़कर 21,951 करोड़ रुपये हो गया। लेकिन राज्य में कुछ महिला विशिष्ट योजनाओं का प्रदर्शन कमजोर रहा है।

फास्ट ट्रैक

महाराष्ट्र के वरिष्ठ पत्रकार अभिमन्यु शितोले का निधन, देवेंद्र फडणवीस ने जताया शोक

महाराष्ट्र में एनबीटी के राजनीतिक संपादक अभिमन्यु शितोले का 54 वर्ष की आयु में निधन हुआ। वह लंबे समय से बीमार थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने शोक व्यक्त किया। अभिमन्यु शितोले मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। लंबे समय पहले मुंबई में आकर बस गए थे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र मेंनवभारत टाइम्स के राजनीतिक संपादक अभिमन्यु शितोले का 54 वर्ष की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। 7 मार्च को दोपहर 3 बजे माहिम के पीडी हिंदुजा अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राजनीतिक, सामाजिक और साहित्य जगह की तमाम हस्तियों ने शोक प्रकट किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पर लिखा कि नवभारत टाइम्स के पॉलिटिकल एडिटर अभिमन्यु शितोलेजी के देहांत की खबर बेहद दुखद है। मेरा उनसे बहुत पुराना परिचय था। सटीक पत्रकारिता के लिए वे जाने जाते थे। मैं उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं। इस कठिन समय हम सब उनके परिवारजनों के साथ हैं। उनके दुख में शामिल हैं। 11 सितंबर, 1970 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जन्मे अभिमन्यु ने करियर की शुरूआत मध्य प्रदेश में की थी। बाद में वह मुंबई आ गए और यहीं के होकर रह गए। पहले दोपहर का सामना फिर टीवी 9 और 2011 से नवभारत टाइम्स में कार्यरत थे। वे महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई प्रेस क्लब, मंत्रालय पत्रकार संघ के सदस्य भी थे। पैनी लेखनी, तीक्ष्ण विश्लेषण और गहरी समझ के साथ दमदार खबर लिखने वाले पत्रकार के रूप में अभिमन्यु शितोले की पहचान रही। व्यक्तिगत जीवन में जिंदादिली, हंसमुख और मिलनसार स्वभाव उनके व्यक्तित्व का विशेष गुण था। शनिवार सुबह उनका अंतिम संस्कार डोंबिवली में होगा। उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्री और एक पुत्र हैं।

मुंबईकरों के लिए गुड न्यूज! कोलाबा-सीप्ज मेट्रो का मुहूर्त आया, फडणवीस ने विधानसभा में तारीख की घोषणा की

●मुंबई मेट्रो की एक्वा लाइन या कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज लाइन पर सफर का इंतजार करने वालों के लिए गुड न्यूज है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में घोषणा की कि मुंबईकरों के लिए महत्वपूर्ण और देश की सबसे बड़ी अंडरग्राउंड मेट्रो के रूप में जानी जाने वाली सीप्ज मेट्रो रेल सेवा जून 2025 से शुरू होगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई मेट्रो की एक्वा लाइन या कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज लाइन पर सफर का इंतजार करने वालों के लिए गुड न्यूज है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधानसभा में घोषणा की कि मुंबईकरों के लिए महत्वपूर्ण और देश की सबसे बड़ी अंडरग्राउंड मेट्रो के रूप में जानी जाने वाली सीप्ज मेट्रो रेल सेवा जून 2025 से शुरू होगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में अन्य मेट्रो परियोजनाओं को भी 2025 से 2027 के बीच पूरा करने की मंशा जताई।

फडणवीस ने क्या कहा?

देवेंद्र फडणवीस ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2014 से 2019 के बीच दस मेट्रो लाइनों को मंजूरी दी गई है। आज इनमें से कुछ मेट्रो लाइनें शुरू हो चुकी हैं, जबकि अन्य अंतिम चरण में हैं। कुछ निमार्णाधीन हैं। कोलाबा से अंधेरी सीप्ज तक मेट्रो 3 का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। परीक्षण भी हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश का सबसे बड़ा मेट्रो रेलवे है।

'बाबासाहेब का स्मारक 6 दिसंबर 2025 तक'

सीएम ने कहा कि इंदु मिल्स से भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर के स्मारक पर 172 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सहायक भवनों पर प्रमुख कार्य पूरा हो चुका है। साढ़े तीन सौ फीट ऊंची प्रतिमा बनाने का फैसला किया गया है। यह परियोजना 1,900 करोड़ रुपये की है। अन्य सभी कार्य 6 दिसंबर 2025 से पहले पूरे किये जाने का लक्ष्य है। लेकिन इसमें संदेह है कि तब तक प्रतिमा का निर्माण पूरा हो जाएगा या नहीं। इस अवसर पर फडणवीस ने यह भी बताया कि मूर्तिकार राम सुतार मूर्ति पर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

बिजली बिल में कमी आएगी

फडणवीस ने बताया कि राज्य में 70 प्रतिशत उपभोक्ता यानी 1.5 करोड़ उपभोक्ता 100 यूनिट तक बिजली की खपत करते हैं। हम उनके लिए सौर योजनाएं ला रहे हैं। इसलिए इन 1.5 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल से छूट दी जाएगी। बिजली की कीमतें हर साल 9 प्रतिशत बढ़ जाती हैं। लेकिन इस बार पहली बार इसमें कमी आएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने विधानसभा में एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि 100 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के बिल में 24 प्रतिशत की कमी आएगी, जबकि 100 से 300 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के बिल में 17 प्रतिशत की कमी आएगी।शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे पर दी अहम जानकारीफडणवीस ने कहा कि कोल्हापुर में कुछ लोग शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे का विरोध कर रहे थे।

भुसावल मंडल में विश्व महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भुसावल, संपूर्ण भुसावल मंडल में विश्व महिला दिवस विविध कार्यक्रमों के आयोजन के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें महिला कर्मचारियों के योगदान को सराहा गया। भुसावल रेलवे स्टेशन से खंडवा की दिशा में एक विशेष गुड्स ट्रेन को पूर्णतः महिला कर्मचारियों के संचालन में रवाना किया गया। इस विशेष गुड्स ट्रेन का नेतृत्व महिला लोको पायलट श्रीमती ज्योति सिंह, सहायक लोको पायलट शिवानी, और गुड्स ट्रेन मैनेजर श्रीमती भाग्यश्री पिंपले ने किया। मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती इति पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर इस ट्रेन को रवाना किया। महिला कर्मचारियों की कुशल कार्यक्षमता ने इस दिवस को और भी खास बना दिया। मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती इति पांडेय ने भुसावल स्टेशन पर टीटीई लॉबी में महिला टिकट जांच कर्मचारियों से संवाद किया और उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। इस अवसर पर, अहमदाबाद से बरौनी एक्सप्रेस में भुसावल से इटारसी के बीच संपूर्ण टिकट जांच कार्य महिला कर्मचारियों की विशेष टीम द्वारा संपन्न किया गया, जिससे महिला सशक्तिकरण का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ। भुसावल के कृष्णचंद्र सभागार में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती इति पांडेय के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें रंगोली प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, गीतगायन प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीला ने उपस्थित महिलाओं को विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और कार्यक्षेत्र में उनके योगदान पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए और अपनी सशक्त भूमिका पर चर्चा की। भुसावल नियंत्रण कक्ष में स्थित ह्यपिंक रेल मदद कक्ष पर मंडल रेल प्रबंधक ने महिला कर्मचारियों से बातचीत की और उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) श्री सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) श्री मुकेश कुमार मीना, विभिन्न शाखाओं के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्व महिला दिवस के अवसर पर भुसावल रेल मंडल ने महिलाओं के योगदान का सम्मान कर समाज में उनके महत्व को उजागर किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुलुंड में वाकेथान का आयोजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

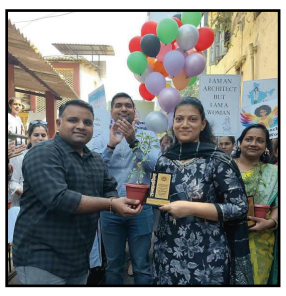

मुंबई, आर.आर.एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुलुंड में वाकेथान हर कदम-हमारी शक्ति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्टी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी के मार्गदर्शन में विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही महिलाओ का सम्मान किया गया।

विशेष रूप से पूजा धाकतोडे (पुलिस निरीक्षक मुलुंड), डॉ.काजल जैन बाल रोग तज्ञ, मनपा हास्पिटल मुलुंड, सोनम केवट योग में विश्व रिकॉर्ड, डा. हर्षला झाल्टे, समाज सेविका अमिशा सेजपाल, एकता परमार, नीता जोशी, बबिता गुप्ता, जयबाला सिंह, हेमांशी, दर्शना अष्टेकर, का सम्मान तुलसी पौधा एवम स्मृति चिन्ह देकर मैनेजमेंट के प्रतिनिधियों राजीव सिंह, अमित सिंह एवम पियूष सिंह द्वारा किया गया। संचालन डॉ. फाल्गुनी अमिश शाह ,प्रिन्सिपल बी एड कालेजद्वारा किया गया। शशिकला पटेल, चित्रा खेडेकर, अदिति तारे, रंजीत , नाजुका, नमिता, नेहा, नीकिता ने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया। इस अवसर पर विद्यालय एवं कालेज के विद्यार्थियों ने मुलुंड स्टेशन से महाकवि कालीदास हाल तक रैली निकाली। जिसमें सभी शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

रेलवे ने महिला जवानों को चुनौतियों से निपटने के लिए गैर-घातक प्रभावी उपकरण मिर्च स्प्रे कैन बनाने की पहल की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । भारतीय रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल की महिला जवानों को मिर्च स्प्रे के डिब्बों से लैस करने का फैसला किया है। यह गैर-घातक लेकिन प्रभावी उपकरण महिला आरपीएफ जवानों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से तेजी से निपटने में मदद करेगा, खासकर अकेले या बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा करते समय, ताकि महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित ट्रेन यात्रा सुनिश्चित की जा सके। यह अभिनव कदम भारतीय रेलवे की लैंगिक समावेशिता, महिला सशक्तिकरण और अपने विशाल नेटवर्क में बढ़ी हुई सुरक्षा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मिर्च स्प्रे के डिब्बे उपलब्ध कराने से महिला आरपीएफ जवानों को सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत मिलेगी, जिससे वे खतरों को रोक सकेंगी, उत्पीड़न की घटनाओं का जवाब दे सकेंगी और आपात स्थितियों को प्रभावी ढंग से संभाल सकेंगी झ खासकर सुनसान पड़े स्टेशनों, चलती ट्रेनों और दूरदराज के रेलवे स्थानों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में जहां तत्काल बैकअप उपलब्ध नहीं हो सकता है। आरपीएफ के महानिदेशक ने कहा, ₹प्रधानमंत्री के महिलाओं को सशक्त बनाने और सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाने की कल्पना के अनुरूप भारतीय रेलवे ने महिला यात्रियों के लिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार अनेक उपाय किए हैं। हमारी महिला आरपीएफ कर्मी शक्ति, देखभाल और लचीलेपन का प्रतीक हैं। उन्हें मिर्च स्प्रे के डिब्बों से लैस करके, हम उनका आत्मविश्वास और परिचालन क्षमता बढ़ा रहे हैं, साथ ही यह स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि यात्रियों की सुरक्षा - विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा - हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है ऐसी ही एक प्रभावशाली नीति आरपीएफ में अधिक महिलाओं को जानबूझकर शामिल करना है। आज, सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में महिलाओं का सबसे अधिक अनुपात (9 प्रतिशत) होने पर आरपीएफ को गर्व है।इनमें से अनेक महिला आरपीएफ कर्मी मेरी सहेली टीमों का हिस्सा हैं, जिनकी मुख्य जिम्मेदारी महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है। 250 से अधिक ह्यमेरी सहेलीह्न टीमें प्रतिदिन लगभग 12,900 महिला यात्रियों से बातचीत करती हैं, और उन्हें सुरक्षा और आश्वासन दोनों प्रदान करती हैं। महिला आरपीएफ कर्मियों की भूमिका सुरक्षा से कहीं आगे तक फैली हुई है। वे अक्सर संकट में फंसी महिला यात्रियों की सहायता करती हैं, जिनमें ट्रेन यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से जूझ रही गर्भवती माताएँ भी शामिल हैं। ह्यऑपरेशन मातृशक्तिह्न के तहत, महिला आरपीएफ कर्मियों ने अकेले 2024 में 174 महिलाओं को ट्रेन में सुरक्षित रूप से जन्म देने में मदद की है, जिससे गोपनीयता, सम्मान और समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हुई है। महाकुंभ जैसे प्रमुख आयोजनों के दौरान, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने अपने पुरुष समकक्षों के साथ मिलकर अथक परिश्रम किया और प्रयागराज में पवित्र स्नान के लिए पहुंची हजारों महिला तीर्थयात्रियों को तुरंत सहायता प्रदान की हाथ में नए उपकरण से लैस होने के साथ, महिला आरपीएफ जवान शक्ति, करुणा और लचीलेपन का प्रतीक होंगी, जो महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगी।

मध्य रेल पर पहली बार ऐतिहासिक तरीके से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

प्रतिष्ठित वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन महिला चालक दल के साथ विशेष मालगाड़ी का परिचालन महिला चालक दल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08.03.2025 को प्रतिष्ठित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन महिला चालक दल के साथ किया। ट्रेन संख्या 22223, सीएसएमटी-साईनगर शिर्डी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन और प्रबंधन महिला चालक दल द्वारा किया गया, जिससे यह एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक यात्रा बन गई। इस ट्रेन का परिचालन एशिया की पहली महिला लोको पायलट श्रीमती सुरेखा यादव और सहायक लोको पायलट सुश्री संगीता कुमारी ने किया। श्रीमती श्वेता घोने ने ट्रेन प्रबंधक के रूप में कार्य किया, जिससे पूरी यात्रा के दौरान सुचारू परिचालन सुनिश्चित हुआ।

यात्रियों का मार्गदर्शन करने और उनकी आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए महिला टिकट परीक्षकों की एक समर्पित टीम तैनात की गई थी। इस टीम में शामिल थेः

मुख्य टिकट परीक्षकः - सुश्री अनुष्का के.पी और सुश्री एम.जे. राजपूत

वरिष्ठ टिकट परीक्षकः सुश्री सारिका ओझा, सुश्री सुवर्णा पश्ते, सुश्री कविता मराल और सुश्री मनीषा राम

सभी महिला चालक दल में यात्रियों की सेवा के लिए तैयार ऑन-बोर्ड ट्रेन होस्टेस की एक टीम शामिल थी। इसमें शामिल थेः सुश्री मोनिका, सुश्री रुबीना, सुश्री पूजा, सुश्री नम्रता और सुश्री उमा विशेष महिला चालक दल के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस 06.20 बजे सीएसएमटी से रवाना हुई, जो महिला सशक्तिकरण के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक घटना है। यह एक दिल को छू लेने वाला दृश्य था, जब सभी महिलाओं द्वारा परिचालित वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के पहले सभी महिलाओं द्वारा प्रबंधित स्टेशन माटुंगा स्टेशन से गुजरी और माटुंगा स्टेशन की पूरी टीम ने ट्रेन मैनेजर के साथ संकेतों का आदान-प्रदान किया और आनंद व्यक्त किया। दिनांक 08.03.2025 को मुंबई मंडल पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में एक विशेष मालगाड़ी भी सभी महिलाओं द्वारा परिचालित की गई, जिसने भारतीय रेलवे में महिलाओं की ताकत और क्षमता को प्रदर्शित किया।

कल्याण से ट्रॉम्बे तक चलने वाली विशेष मालगाड़ी में 1150 टन भार वाले 43 वैगन शामिल थे, जिसका परिचालन लोको पायलट के रूप में सुश्री संगीता सरकार, सहायक लोको पायलट के रूप में सुश्री तेजस्वी वाल्के और ट्रेन मैनेजर * के रूप में सुश्री रोहिणी जाधव ने किया। यह ऐतिहासिक पहल भारतीय रेलवे में महिलाओं के समर्पण और उत्कृष्टता की उत्कृष्ट मिसाल है और इसका उद्देश्य रेलवे परिचालन में लैंगिक समावेशिता को प्रोत्साहन देना है।

मध्य रेल के नागपुर, भुसावल, पुणे और सोलापुर मंडलों पर भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

नागपुर मंडल पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न विभागों की 69 उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर महिला टिकट चेकिंग टीम के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 (8 मार्च) के अवसर पर सोलापुर - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई - सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22226/22225) पर महिलाओं के नेतृत्व वाली टिकट चेकिंग टीम तैनात की। यह पहल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और रेल कार्यबल में महिलाओं के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए मंडल की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

इस विशेष अवसर पर निम्नलिखित महिला टिकट जाँच कर्मचारियों को ड्यूटी करने के लिए नियुक्त किया गयाः

- शिल्पा सी. भालेकर, मुख्य टिकट निरीक्षक
- प्रीति वी. धवने, मुख्य टिकट निरीक्षक
- अहिल्या वी. राठौड़, यात्रा टिकट निरीक्षक
- लूड्र्स डी. कॉनलन, यात्रा टिकट निरीक्षक
- लक्ष्मी आर. फुलारी, वरिष्ठ टिकट परीक्षक

इस पहल का उद्देश्य समावेशी और विविधतापूर्ण कार्य वातावरण को बढ़ावा देते हुए महिला रेल कर्मचारियों के समर्पण और प्रोफेशनलिज्म को पहचानना और उनका सम्मान करना है। महिला टीम ने ट्रेन सेवा में टिकट जाँच कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित किया, जो यात्री सेवा और रेल संचालन के प्रति उनकी क्षमता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मध्य रेल का सोलापुर मंडल महिलाओं के लिए अवसर पैदा करने और रेल संचालन के सभी क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 : पश्चिम रेलवे द्वारा महिला कर्मचारियों के सम्मान में प्रेरणादायक पहल के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर अपनी महिला कर्मचारियों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने और कार्यस्थल पर लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रेरणादायक और महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे क्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने और उनकी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में वसई रोड स्टेशन से एक कंटेनर मालगाड़ी का परिचालन पूर्णतः महिला क्रू द्वारा किया गया। इस क्रू में लोको पायलट (मालगाड़ी) श्रीमती मीरा बाई मीणा, वरिष्ठ सहायक लोको पायलट श्रीमती उत्कर्षा शर्मा तथा गार्ड (ट्रेन प्रबंधक) श्रीमती कैरल डिसूजा शामिल रहीं। यह विशेष पहल रेलवे के परिचालन क्षेत्र में महिलाओं के समावेश और उनकी दक्षता को दर्शाने का एक सराहनीय प्रयास था। इस सफल परिचालन के माध्यम से पश्चिम रेलवे ने महिला सशक्तिकरण का एक मजबूत संदेश दिया और यह साबित किया कि महिलाएं किसी भी तकनीकी एवं परिचालन क्षेत्र में समान रूप से सक्षम हैं।श्री अभिषेक ने आगे बताया कि महिला दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के महालक्ष्मी ट्रैक्शन सबस्टेशन पर कार्यरत सम्पूर्ण महिला मेंटेनेंस टीम का सम्मान किया गया। इस टीम को पश्चिम रेलवे की प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती मंजुला सक्सेना द्वारा सम्मानित किया गया। यह टीम 25 केवी और 110 केवी के ट्रैक्शन पावर सप्लाई उपकरणों का रखरखाव करती है, जिससे उपनगरीय रेल सेवाओं का निर्बाध परिचालन सुनिश्चित होता है। यह टीम रेलवे में तकनीकी क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।इसी क्रम में, पश्चिम रेलवे ने माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर कार्यरत सम्पूर्ण महिला टीम का भी सम्मान किया। यह स्टेशन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाता है, जिसमें स्टेशन मास्टर, बुकिंग क्लर्क, टिकट चेकिंग स्टाफ, रेलवे सुरक्षा बल कर्मी और हाउसकीपिंग स्टाफ शामिल हैं। इन सभी महिला कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से यह स्टेशन सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। इस सराहनीय कार्य के लिए प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती मंजुला सक्सेना द्वारा इन महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, जिससे उनके समर्पण और सेवा भावना को सराहना दिया जा सके।महिला दिवस के अवसर को और अधिक खास बनाने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा रेडियो चैनल फीवर 104 एफएम के सहयोग से ₹पश्चिम रेलवे की नायिकाह्न शीर्षक से एक विशेष वीडियो जारी किया गया। यह वीडियो पश्चिम रेलवे की महिला कर्मचारियों की प्रेरणादायक कहानियों को प्रदर्शित करता है, जिन्होंने रेल परिचालन को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी सेवाएं दी हैं। इसके अलावा, पश्चिम रेलवे की वरिष्ठ मोटरमैन श्रीमती प्रीति कुमारी के संघर्ष और सफलता की कहानी को दर्शाने वाला एक विशेष पॉडकास्ट भी जारी किया गया, जिसे पश्चिम रेलवे के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है। इस पॉडकास्ट के माध्यम से आम जनता महिला कर्मचारियों के योगदान और उनकी कार्यक्षमता को नजदीकी से समझ सकेगी।महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों और कार्यस्थलों के लिए 'लैंगिक समावेशी प्रणाली के लिए दिशा-निर्देश' भी जारी किए गए। इन दिशा-निदेर्शों का उद्देश्य कार्यस्थल पर लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, एक सुरक्षित एवं समावेशी कार्यसंस्कृति सुनिश्चित करना और रेल परिचालन के सभी क्षेत्रों में महिला कर्मचारियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।पश्चिम रेलवे अपने महिला कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान को पहचानते हुए भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर किए गए इन सभी कार्यक्रमों और पहलों ने पश्चिम रेलवे की प्रगतिशील सोच और महिला कर्मचारियों के प्रति सम्मान का एक उदाहरण प्रस्तुत किया। पश्चिम रेलवे का यह प्रयास कार्यस्थल पर समान अवसरों और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ठाणे परिवहन सेवा में महिला वाहक स्वप्नगंधा घाटे दिल्ली में सम्मानित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , एएसआरटीयू नई दिल्ली ने आज ठाणे मनपा परिवहन सेवा में अनुबंध के आधार पर कार्यरत महिला वाहक स्वप्नगंधा घाटे को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। स्वप्नगंधा घाटे को पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने सम्मानित किया है ।महिला वाहक स्वप्नगंधा स्वप्निल घाटे उम्र 38 वर्ष, वाहक क्रमांक 2006, ठाणे परिवहन सेवा में वाहन वाहक के रूप में 2020 से कार्यरत है। ठाणे मनपा परिवहन सेवा द्वारा नियुक्त ठेकेदार अपूर्वा महिला सामाजिक संगठन के माध्यम से परिवहन सेवा में काम कर रही हैं। स्वप्नगंधा घाटे आज तक ठाणे के नागरिकों को बहुत ईमानदार और बेदाग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। स्वपगंधा घाटे के कार्यों के कारण ठाणे मनपा को सम्मानित किया गया है और ठाणे परिवहन सेवा का नाम राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने भी स्वपगंधा घाटे की सराहना की है और बधाई दी है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और न्यायमूर्ति अभय ओक ने किया मीरा-भायंदर सिविल कोर्ट का उद्घाटन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,मीरा भयंदर में नए सिविल कोर्ट की स्थापना से स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है और अब उन्हें न्याय पाने के लिए ठाणे तक नहीं जाना पड़ेगा। इस आशय का उद्गार राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने व्यक्त किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस न्यायालय को न्याय की देवी स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त है और इस न्यायालय से निश्चित रूप से आम लोगों को लाभ होगा। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अभय ओक की उपस्थिति में आज इस अदालत की नई इमारत का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, मीरा भयंदर में बार काउंसिल तो थी लेकिन अदालत नहीं थी। इसलिए यहां कोर्ट बनाने की मांग कई सालों से की जा रही है। जस्टिस अभय ओक ठाणेकर हैं वे यहां उद्घाटन के लिए आने को तैयार हुए तो उन्होंने राय व्यक्त की कि यह न्यायालय न्याय का मंदिर बने बिना नहीं रहेगा। सभी जन प्रतिनिधियों ने इस न्यायालय को चलाने का प्रयास किया। तो अब एक सपना सच हो गया है और इस बात पर खुशी और संतुष्टि व्यक्त की है कि इस अदालत के माध्यम से आम आदमी को न्याय मिलेगा। इस कोर्ट के काम में कई बाधाएं आईं, लेकिन आखिरकार यह कोर्ट बनकर तैयार हो गया है। लेकिन मैं समझता हूं कि इस कोर्ट को और जगह की जरूरत है। इसलिए, शिंदे ने ठाणे जिलाधिकारी को अदालत के विस्तार के लिए जितनी जरूरत हो उतनी जमीन देने का निर्देश दिया। साथ ही जस्टिस अभय ओक ने अनुरोध किया कि ठाणे शहर में नए कोर्ट भवन का निर्माण पूरा हो चुका है और इसके उद्घाटन के लिए समय दिया जाना चाहिए ।मीरा भयंदर शहर की जनसंख्या पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। एक साल के अंदर यहां मेट्रो दौड़ने लगेगी। अतः नागरिकों को लोकल ट्रेन से यात्रा करने पर होने वाली परेशानी से मुक्ति मिल जायेगी। इससे शहर में यातायात की भीड़ कम होगी। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि हम लोगों को ठाणे, मीरा-भायंदर और कुर्ला-बीकेसी के बीच तेजी से यात्रा करने में सक्षम बनाने के लिए पॉड टैक्सी परियोजना करेंगे ।मुख्यमंत्री के तौर पर उनके ढाई साल के कार्यकाल में 32 नये न्यायालयों को मंजूरी दी गयी, 14 अतिरिक्त सत्र न्यायालयों को मंजूरी दी गयी, ग्यारह सौ पद तृतीयक नियुक्ति से भरे गये और 2 हजार 863 पद भरे जाने की बात कही गयी। शिंदे ने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर कैबिनेट मीटिंग में कोर्ट से जुड़ा कोई भी मामला आता है तो हम उसे तुरंत पांच मिनट के अंदर निपटा देंगे। उन्होंने कहा कि इस नई अदालत से वादी को थाने तक न घसीटकर यहीं न्याय मिलेगा, जिससे सभी के साथ यहां न्याय होगा। राज्य सरकार जनता के प्रति प्रतिबद्ध है और इसलिए सरकार की पहल को उनके द्वार तक लागू करके हमने 5 करोड़ लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से सीधे लाभान्वित किया है। शिंदे ने विश्वास जताया कि अब न्याय लोगों के दरवाजे तक पहुंचाया जाएगा और उन्हें इसका लाभ जरूर मिलेगा ।कोर्ट की शक्तियों को विकेंद्रीकृत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओक ने राय व्यक्त करते हुए कहा कि मीरा भायंदर में इस नए कोर्ट को मंजूरी दे दी गई है। ठाणे एकमात्र ऐसा जिला है जिसमें सात महानगर पालिकाएं हैं। इसलिए, चूंकि मीरा-भायंदर में महानगर पालिका है, इसलिए तालुका अलग नहीं होने के बावजूद यहां सिविल कोर्ट शुरू करने की अनुमति दी गई है। सरकार हमेशा कोर्ट के काम को प्राथमिकता देती है, उन्होंने कहा कि हमारे प्रस्तावों को तुरंत मंजूरी दी जाती है। मेरे सहकर्मियों ने मुझे बताया है कि यह बदलाव पिछले ढाई साल में हुआ है और यह बदलाव निश्चित रूप से सकारात्मक है ऐसा न्यायाधीश ओक ने कहा।

फास्ट ट्रैक

मीरा भयंदर में फ्लाईओवर का उपमुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे,मीरा भयंदर शहर में मेट्रो मार्ग-9 के बगल में बने फ्लाईओवर नंबर 2 का उद्घाटन आज उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। फ्लाईओवर एस स्टोन जंक्शन के पास साईं बाबा नगर मेट्रो स्टेशन से शुरू होगा और शिवार गार्डन तक विस्तारित होगा। इस नए पुल के बनने से ट्रैफिक की भीड़ कम होगी और स्थानीय नागरिकों को काफी राहत मिलेगी।इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक नरेंद्र मेहता, मीरा भायंदर मनपा आयुक्त राधामोहन शर्मा, ठाणे कलेक्टर अशोक शिनगारे और बड़ी संख्या में मीरा भायंदर के जन प्रतिनिधि, अधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला परिषद के तालुका स्तरीय सामान्य स्वास्थ्य शिविर में 989 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , जिला परिषद, ठाणे के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डोलखांब, तालुका शाहपुर में तालुका स्तरीय एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन रोगी कल्याण समिति के सदस्य हरिभाऊ शिंदे और कृषि उपज बाजार समिति, शाहपुर के अध्यक्ष नंद कुमार डोहले ने किया। इस शिविर में 989 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। इस अवसर पर हरिभाऊ शिंदे ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि यदि शीघ्र निदान हो जाए तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी से बचाव के लिए उचित मात्रा में भोजन करने की भी सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी को आयुष्मान कार्ड लेना चाहिए और आपातकालीन स्थिति में सरकार की योजना का लाभ उठाना चाहिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे का बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं पंचायत समिति शाहपुर समूह विकास अधिकारी नम्रता जगताप का बहुमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस शिविर के लिए तालुका अधिकारी डॉ भाग्यश्री सोनपिम्पले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस तालुका स्तरीय शिविर में कुल 989 लाभार्थी लाभान्वित हुए। इनमें 463 पुरुष, 526 महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं के रोग 289, बच्चों के रोग 108, नाक कान गला 42, दंत रोग 63, नेत्र रोग 393, मुख रोग 11, त्वचा विकार 68, हड्डी रोग 56, मानसिक रोग 16, मस्तिष्क रोग 2 बाधित मिले। इसी तरह गोपालकृष्ण चैटिंग ट्रस्ट और अनिल कैंसर क्लिनिक डोंबिवली, आभा कार्ड द्वारा स्तन कैंसर की मैमोग्राफी स्क्रीनिंग। 17, आयुष्मान कार्ड-13 एनसीडी रोग 208, लैब टेस्ट कुल 288, निःशुल्क चश्मा वितरण 310, ईसीजी 33, मोतियाबिंद 40, स्थायी नेत्र विकलांगता 2, भेंगापन 2 मरीज पाये गये। डॉ अशोक नंदापुरकर, उप निदेशक मुंबई मंडल ठाणे और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डोलखंब के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश राठौड़ के बहुमूल्य मार्गदर्शन में सभी चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों, समूह प्रवर्तक, आशा स्वयंसेवक के साथ मिलकर शिविर का सफलतापूर्वक समापन किया।इस शिविर के लिए न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दिलराज कदलास, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम राठौड़, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वप्निल विस्पुते स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश दाराय, मनोचिकित्सक डॉ रवीन्द्र तांबे, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित बोबडे, त्वचा विशेषज्ञ डॉ प्रशांत जावरे, कान नाक गला विशेषज्ञ डॉ. डॉ. वैभव किरपान, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ समीर शेलवाले जनरल फिजिशियन डॉ. हीरामन साबले, चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल जाधव, डॉ. आर्यचाणक्य भोले, डॉ. अभिजीत वानखेड़े और अन्य उपस्थित थे।

विश्व महिला दिवस पर, ठाणे मनपा के स्वास्थ्य जांच शिविर में 160 महिलाओं ने लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विश्व महिला दिवस के अवसर पर आज ठाणे मनपा मुख्यालय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 160 महिलाओं ने भाग लिया। मनपा आयुक्त सौरभ राव के निदेर्शानुसार और अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे के मार्गदर्शन में उपायुक्त अनघा कदम ने बताया कि यह शिविर दीन दयाल जन आजीविका योजना, सामाजिक विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था इस शिविर में महिलाओं ने रक्तचाप जांच, मधुमेह जांच, स्त्री रोग जांच एवं सामान्य जांच करायी गई। आवश्यकतानुसार दवाएँ भी निःशुल्क प्रदान की गईं। इस शिविर में 160 महिलाओं ने भाग लिया। इनमें से 81 महिलाओं ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड का पंजीकरण कराया है। मनपा की मातृ एवं शिशु देखभाल अधिकारी डॉ. वर्षा सासाने ने इन महिलाओं को स्वास्थ्य परामर्श दिया। साथ ही, उपायुक्त अनघा कदम ने महिलाओं को सतत पर्यावरण संरक्षण के लिए महाराष्ट्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल 'माझी वसुंधरा अभियान' के बारे में जानकारी दी। इस पहल के तहत महिलाओं ने 'माझी वसुंधरा शपथ' ली ।इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास अधिकारी दयानंद गुंड, सामाजिक विकास अधिकारी दशरथ वाघमारे, साथ ही सामाजिक विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के लिए ठाणे सिटीजन फाउंडेशन का सहयोग लिया गया।

राकांपा शरद पवार गुट और सदाशिव मामा पाटिल प्रतिष्ठान ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया

समाज के विकास में योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के उपलक्ष में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार और सदा मामा पाटिल प्रतिष्ठान की तरफ से शनिवार 08 मार्च को अंबरनाथ पूर्व के मोतीराम पार्क स्थित पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राकांपा शरद पवार गुट के अंबरनाथ शहर अध्यक्ष सदाशिव मामा पाटिल,पूर्व युवा जिला अध्यक्ष सचिन पाटिल और महिला शहर अध्यक्ष पूनम शेलार की तरफ से किया गया था। उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रवादी पार्टी की ठाणे जिला ग्रामीण अध्यक्ष रूपाली कराड़े उपस्थित रहीं। सदाशिव मामा पाटिल ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज के विभिन क्षेत्रों जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, राजनीति, समाजसेवा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,सफाई कर्मचारी आदि में श्रेष्ठ कार्यों से अपना नाम स्थापित करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने का कार्य किया गया।उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रवादी की ठाणे जिला ग्रामीण अध्यक्ष रूपाली कराड़े और उपस्थित सभी महिलाओं को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके समाज में योगदान की सराहना करता हूं।ठाणे जिला अध्यक्ष रूपाली कराड़े ने कहा कि पार्टी के शहर अध्यक्ष सदाशिव मामा पाटिल द्वारा किए गए इस कार्यक्रम से समाज की महिलाओं को आगे और अधिक अच्छे कार्य करने और श्रेष्ठ समाज निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष के 365 दिन महिलाओं का सम्मान और उनके योगदान की सराहना होनी चाहिए न कि सिर्फ आज के दिन। उपस्थित सभी महिलाओं को सम्मानित करते हुए उन्हें उपहार भी प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किया गया महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर पंचायत समिति कल्याण में महिलाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पंचायत समिति कल्याण, गट विकास अधिकारी संजय भोये ने किया। इस अवसर पर कार्यालय में उपस्थित महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गुलाब का फूल देकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिविर में समूह शिक्षा अधिकारी डॉ. रूपाली खोमाने, उपयंत्री निर्माण सुदाम महाडिक, सहायक समूह विकास अधिकारी रघुनाथ गवारी, कृषि अधिकारी बालासाहेब शिंदे के साथ ही पंचायत समिति के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। शिविर में पंचायत समिति कल्याण की सभी महिलाओं का सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें शुगर टेस्ट, ब्लड प्रेशर टेस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच, ब्लड ग्रुप टेस्ट, डायबिटीज प्रोफाइल, लिपिड प्रोफाइल, लिवर प्रोफाइल, किडनी प्रोफाइल जैसे सभी प्रकार के रक्त परीक्षण किए गए। 74 महिलाओं के आभा कार्ड बनाए गए तथा 22 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें समूह विकास अधिकारी द्वारा वितरित किए गए।तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भारत मसाल के मार्गदर्शन में पूरे स्वास्थ्य अमले ने इस शिविर को सफल बनाने के लिए उत्साहपूर्ण माहौल में भाग लिया।

सारा आधार फाउंडेशन ने 111 आदिवासी समाज के जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया

किशोर सोरखड़े आदिवासी समाज के उत्थान के लिए समर्पित नेता--अरविंद वालेकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. सारा आधार फाउंडेशन के अध्यक्ष किशोर सोरखड़े के नेतृत्व में शुक्रवार को आयोजित आठवें सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 111 वर-वधू के जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम हर्षोल्लास और पूर्ण धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन अंबरनाथ के आनंद नगर एमआईडीसी औद्योगिक परिसर में ब्लिस बिल्डिंग के निकट स्थित मैदान में आयोजित किया गया था। सारा फाउंडेशन के अध्यक्ष किशोर सोरखड़े आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम द्वारा आदिवासी समाज के 111 जोड़ों का सामूहिक विवाह का आयोजन करके समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और अक्षम परिवार के लोगों को विवाह के भारी-भरकम खर्चे से बचाकर एक प्रकार से उनकी आर्थिक मदद की है।

सारा आधार फाउंडेशन के अध्यक्ष किशोर सोरखड़े के नेतृत्व में और शिवसेना शहर प्रमुख पूर्व नगराध्यक्ष अरविन्द वालेकर के मार्गदर्शन में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वर-वधू को सुखी दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद देकर भव्यता के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस वर्ष उद्योग रत्न पुरस्कार बेचार शेठ पटेल, वैश्विक स्वास्थ्य सलाहकार डॉ.अर्जुन रामचंद्रन शुशे और डेन ए.बी.सी. केबल के निदेशक अनिल गायकवाड़ को दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे मराठी सिनेमा जगत की प्रसिद्ध अभिनेत्री भार्गवी चिरामुले, हास्य अभिनेता प्रभाकर मोरे, अवनी पाटिल और पुणे के गोल्डन बॉयज। सामुहिक विवाह कार्यक्रम में अनेकों राजनीतिक हस्तियां उपस्थित रहीं जिनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता मंत्री जगन्नाथ पाटिल, राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार समूह के महाराष्ट्र प्रवक्ता महेश चेचे, सामाजिक लेख मुंबई के अध्यक्ष आनंद भाई मैनकर, भाजपा जिला अध्यक्ष नाना सूर्यवंशी, भाजपा ओबीसी मोर्चा ठाणे जिला अध्यक्ष लक्ष्मण पाटिल, पूर्व नगराध्यक्ष मनीषा वालेकर, राकांपा अंबरनाथ शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटिल,राष्ट्रवादी महिला अध्यक्ष पूनम शेलार, पूर्व नगरसेवक राजेंद्र वालेकर, युवा शिवसैनिक एडवोकेट निखिल वालेकर और विभिन्न पार्टियों अन्य गणमान्य व्यक्ति, कार्यकर्ता, संगठनों के सदस्य एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अंबरनाथ में अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया

अंबरनाथ रेलवे स्टेशन परिसर में महिला यात्रियों का फूलों से स्वागत करके महिला दिवस मनाया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन ने 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अंबरनाथ रेलवे स्टेशन परिसर में महिला यात्रियों को पुष्प प्रदान कर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया ।उक्त कार्यक्रम का आयोजन अहीरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.यू.दुआ एवं महाराष्ट्र प्रभारी अजयराव चिरिवेल्ला के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन की महिला पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित किया गया। संगठन की महिला पदाधिकारी दीपा एडविन,निरंजा आनंद कुमार, नेहा गोसावी, दर्शना चिरिवेला,आरती बुरकोंडे,अनुपमा अहिरे,ज्योति राव,माया कुमावत,राधा सौदागर, तृप्ति अहिरेकर,दीपिका शिंदे आदि ने स्टेशन परिसर में महिलाओं को बधाई दी और समाज में उनके योगदान को रेखांकित किया। सदस्यों ने महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक और सचेत रहने के लिए आग्रह किया। महिला यात्रियों ने इस अनूठी पहल का खुले दिल से स्वागत किया और संस्था के कार्यों की सराहना की। मानवाधिकार संगठन की सक्रिय पदाधिकारी नेहा गोसावी ने विकसित समाज और सशक्त राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान और कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन के महाराष्ट्र प्रभारी अजयराव चिरिवेल्ला ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा 2025 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एक्सीलरेट एक्शन थीम के साथ मनाया जा रहा है। अतः हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि समाज में महिलाओं के योगदान और कार्यों को एक्सीलरेट किया जाए और उन्हें अपने विकास के और अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाए। इस अवसर पर अहीरा के जिला प्रमुख प्रदीप कुमावत,अजीत सावंत,वेंकटेश राव आदि ने पूर्ण सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

मेडिकल छात्रा से बस में छेड़छाड़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक मेडिकल छात्रा के साथ बस में छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीलीभीत की रहने वाली छात्रा शाहजहांपुर के पुवायां क्षेत्र के एक मेडिकल इंस्टीट्यूट में पढ़ती है। एक मार्च को छुट्टी के बाद छात्रा राजीव चौक पर बस का इंतजार कर रही थी। इस दौरान एक युवक ने उसका वीडियो बना लिया। छात्रा ने भी युवक का वीडियो बनाने की कोशिश की। इसी बीच बस आ गई और छात्रा उसमें बैठ गई। आरोपी युवक भी उसी बस में सवार हो गया। वह रास्ते में छात्रा के साथ अश्लील हरकतें करने लगा। उसने भद्दे कमेंट्स भी किए। छात्रा ने इस बारे में अपने पिता को फोन पर बताया। इससे आरोपी बौखला गया। उसने अपने साथियों को फोन कर बुलाया। फिर बस रुकवाकर छात्रा को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। थाना बंडा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ट्रम्प के सामने भिड़ गए मस्क-रुबियो

इलॉन विदेश मंत्रालय में नौकरी में कटौती नहीं करने से नाराज, ट्रम्प ने विदेश मंत्री का बचाव किया

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी में डीओजीई चीफ इलॉन मस्क और विदेश मंत्री मार्क रुबियो के बीच गुरुवार को कैबिनेट मीटिंग में बहसबाजी हुई। यह दावा न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में किया गया है। इस मौके पर 20 से ज्यादा अफसर मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच स्टाफ कटौती के मुद्दे पर बहस हुई। मस्क ने बैठक में विदेश मंत्री पर आरोप लगाया कि वे अपने विभाग में स्टाफ की संख्या में कटौती नहीं कर पाए हैं। इस पर रुबियो ने कहा कि मस्क झूठ बोल रहे हैं।

ट्रम्प ने विदेश मंत्री का बचाव किया, कहा- वे अच्छा काम कर रहे

रुबियो ने मस्क को झूठा ठहराते हुए कहा- 1,500 स्टेट डिपार्टमेंट कर्मचारियों ने समय से पहले रिटायरमेंट ले लिया है। क्या उन्हें छंटनी में नहीं गिना जाएगा?

क्या मस्क ये चाहते हैं कि वे उन सभी स्टाफ को फिर से काम पर रखें, ताकि वे उन्हें फिर से नौकरी से निकालने का दिखावा कर सकें। विदेश मंत्री की इस दलील से मस्क को कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने रुबियो से कहा कि आप सिर्फ टीवी पर अच्छे लगते हैं। मस्क और रुबियो की बहस के दौरान शुरूआत में राष्ट्रपति ट्रम्प अपनी कुर्सी पर हाथ जोड़कर बैठे रहे। जब दोनों के बीच बहस तेज हो गई तो ट्रम्प ने रुबियो का बचाव किया और कहा कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा- रुबियो के पास काम करने के लिए बहुत चीजें हैं। वे बहुत बिजी रहते हैं। हमेशा यात्राएं करते हैं और टीवी पर भी उन्हें समय देना होता है। इसलिए सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है।

मस्क से नाराज चल रहे विदेश मंत्री

रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो कई हफ्ते से मस्क से नाराज चल रहे हैं। दरअसल, मस्क की टीम ने एक एजेंसी यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट को बंद कर दिया है। यह एजेंसी रुबियो के जिम्मे थी। मस्क ने रुबियो को विश्वास में लिए बिना पूरी एजेंसी को बंद कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प टीम के कई और सदस्य भी मस्क से नाराज हैं। उनकी शिकायतों के बाद ही यह बैठक अचानक बुलाई गई थी। यह बैठक सिर्फ एक दिन पहले बुधवार शाम को तय हुई थी। इसमें ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट मौजूद नहीं थे। बेसेंट और मस्क के बीच पहले भी कई बार टकराव की खबरें आ चुकी हैं। बैठक के दौरान राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि वे मस्क के मिशन का समर्थन करते हैं, लेकिन अब से किसी भी विभाग के सचिव ही प्रभारी होंगे और मस्क की टीम बस सलाह देगी।

ट्रम्प बोले- कोई बहस नहीं हुई

हालांकि, शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों ने जब ट्रम्प से इस बहस के बारे में पूछा तो उन्होंने इस बात से इनकार कर दिया। ट्रम्प ने कहा, कोई बहस नहीं हुई, मैं वहां था। आपको यह सवाल पूछना ही नहीं चाहिए था। आप उपद्रवी हैं। उन्होंने कहा- मस्क और रुबियो के बीच बेहतर रिश्ते हैं।

ट्रम्प बोले- भारत टैरिफ में कटौती पर सहमत

अब हमारे देश को लूटना बंद हुआ; दो दिन पहले भारत पर 100% टैरिफ की बात कही थी

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात कहा, भारत हमसे बहुत ज्यादा टैरिफ वसूलता है। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। हालांकि भारत अब अपने टैरिफ में बहुत कटौती करना चाहता है, क्योंकि हम उनके किए की पोल खोल रहे हैं। ट्रम्प ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा- हमारे देश को हर किसी ने लूटा है। लेकिन अब यह बंद हो गया है। मैंने अपने पहले कार्यकाल में इसे बंद करवाया था। अब हम इसे पूरी तरह से बंद करने जा रहे हैं, क्योंकि यह बहुत गलत है। अमेरिका को आर्थिक, वित्तीय और व्यापार की नजर से दुनिया

के लगभग हर देश ने लूटा है। ट्रम्प के इस बयान पर भारत सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रम्प 2 अप्रैल से भारत समेत दुनियाभर के देशों पर जैसा को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि भारत हमसे 100% से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने 5 मार्च को संसद के जॉइंट सेशन में रिकॉर्ड 1 घंटा 44 मिनट का भाषण दिया था। भाषण की शुरूआत अमेरिका इज बैक, यानी अमेरिका का दौर लौट आया है से की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 43 दिन में जो किया है वह कई सरकारें अपने 4 या 8 साल के कार्यकाल में नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा था- 2 अप्रैल से अमेरिका में रेसिप्रोकल टैरिफ लागू होगा। यानी वे हम पर जितना टैरिफ लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही लगाएंगे। वे हम पर जितना टैक्स लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे। ट्रम्प ने हंसते हुए कहा कि मैं इसे 1 अप्रैल को लागू करना चाहता था, लेकिन फिर लोग इसे अप्रैल फूल समझते। ट्रम्प ने कहा था कि उनके प्रशासन के तहत, अगर कोई कंपनी अमेरिका में अपना प्रोडक्ट नहीं बनाएगी, तो उसे टैरिफ देना होगा। कुछ मामलों में, यह टैरिफ बहुत बड़ा होगा। दूसरे देश अमेरिका पर भारी टैक्स और टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका उन पर बहुत कम लगाता है। यह बहुत अन्यायपूर्ण है। दूसरे देश दशकों से हम पर टैरिफ लगाते आ रहे हैं, अब हमारी बारी है। ट्रम्प ने शुक्रवार को ये भी कहा कि जब तक रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध रोकने और शांति का समझौता करने के लिए राजी नहीं हो जाता है, तब तक हम रूस के ऊपर भी टैरिफ और बैंकिंग प्रतिबंध लागू करने के बारे में सोच रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : रेलवे में सुरक्षा, संचालन और नेतृत्व की जिम्मेदारी रही महिलाओं के कंधों पर

एजेंसी

जबलपुर । भारतीय रेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 को भव्यता, उत्साह और गौरव के साथ मनाते हुए महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त किया। रेलवे ने पूरे देश में विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें महिला कर्मचारियों की भूमिका, उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। महिला लोको पायलटों द्वारा ट्रेनों का संचालन हो या स्टेशन प्रबंधन, टिकट काउंटर, टिकट निरीक्षण, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल, इंजीनियरिंग और रेलवे सुरक्षा बल (फढऋ) की तैनाती- भारतीय रेल की नारी शक्ति ने हर क्षेत्र में अपनी दक्षता और नेतृत्व क्षमता को सिद्ध किया।

ऑल-वुमन ट्रेनों का संचालन

इस अवसर पर कई ट्रेनों को ऑस वुमन स्टाफ द्वारा संचालित किया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सांई नगर शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों ने किया। वहीं दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से ऑल वुमन फ्रेट ट्रेन चलाई गई। बेंगलुरु डिवीजन से केएसआर बेंगलुरु-मैसूरु मालगुडी एक्सप्रेस और मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस भी पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित की गईं। भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस और झांसी मंडल में बुंदेलखंड एक्सप्रेस का संचालन भी महिला कर्मियों ने किया।

स्टेशन संचालन में महिला कर्मचारियों की भागीदारी

सियालदह स्टेशन पर मातृभूमि लोकल (लेडीज स्पेशल एटव) ट्रेन का संचालन महिलाओं द्वारा किया गया। वहीं गोरखपुर जंक्शन का संपूर्ण प्रबंधन महिलाओं ने संभाला। महाराष्ट्र के माटूंगा और राजस्थान के गांधीनगर रेलवे स्टेशन की कमान भी नारी शक्ति के जिम्मे रही। इसी कड़ी में नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे जोन के अलिपुरद्वार मंडल के कूच बिहार रेलवे स्टेशन (उडइ) को पूरी तरह से महिलाओं के नेतृत्व में संचालित किए जाने की घोषणा की गई है।

महिला कर्मचारियों का सम्मान

विभिन्न रेलवे जोनों में महिला लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, टिकट चेकिंग स्टाफ और अन्य महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एक ओर जहां उत्तर रेलवे और दक्षिण रेलवे में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किए गए, जहां महिला कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों में महिला कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जागरुकता और स्वास्थ कार्यक्रमों की कड़ी में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई में क्विज प्रतियोगिता, योग सत्र और मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही पश्चिम रेलवे ने ह्यानथिंग इज इम्पॉसिबल थीम पर विशेष पॉडकास्ट एपिसोड जारी किया, जिसमें एशिया की पहली महिला मोटरवुमन की प्रेरणादायक यात्रा साझा की गई। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने महिलाओं के लिए योग सत्र और वेलनेस काउंसलिंग जैसे आयोजन किए गए। देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों को महिलाओं के सम्मान में विशेष लाइटों से सजाया भी गया है।

महिला कर्मचारियों के लिए विशेष पहल

भारतीय रेल ने महिला हेल्प डेस्क, निगरानी प्रणाली और सुरक्षा सुविधाओं को और मजबूत करने की घोषणा की। कोटा मंडल में आत्मरक्षा और वित्तीय साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित की गईं। तो रतलाम मंडल में साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। वहीं जबलपुर मंडल में ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैंप लगाया गया, जिसमें 200 से अधिक महिलाओं की जांच की गई।

भारतीय रेल की प्रतिबद्धता

रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा कि रेलवे अपने ऑपरेशन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और लैंगिक समानता को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। ऑल-वुमन ट्रेनों, महिला प्रबंधन वाले स्टेशनों और विविध कार्यक्रमों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि महिलाएं रेलवे के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएं। भारतीय रेल के कुल 12 लाख 30 हजार कर्मचारियों में से 1 लाख 13 हजार नारी शक्ति शामिल हैं। वर्तमान में 2000 से अधिक लोको पायलट, करीब 1900 महिला स्टेशन मैनेजर भारतीय रेल में सेवा दे रहीं हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने भारतीय रेल में महिलाओं की सशक्त भूमिका और नेतृत्व क्षमता को दर्शाया। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

छात्रों के प्रदर्शन के दौरान बांग्लादेश की सेना को चेतावनी दी गई थी: संरा मानवाधिकार प्रमुख

एजेंसी

ढाका । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि विश्व निकाय ने बांग्लादेश की सेना को चेतावनी दी थी कि यदि वह जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल हुई तो उसे संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। बांग्लादेश में छात्रों ने पिछले साल बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे जिसके चलते 15 साल से अधिक समय से सत्तारूढ़ शेख हसीना सरकार को पांच अगस्त को अपदस्थ होना पड़ा था। इसके तीन दिन बाद

मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में पदभार ग्रहण किया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त तुर्क बुधवार को बीबीसी के हार्डटॉक कार्यक्रम में थे। उन्होंने बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप का प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह बात तब कही जब साक्षात्कारकर्ता ने उनसे कहा कि विश्व निकाय अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत संकटों को हल करने में शक्तिहीन दिखाई देता है। ढाका ट्रिब्यून ने शुक्रवार को तुर्क के हवाले से कहा, बड़े पैमाने पर दमन हो रहा था। उनके लिए सबसे बड़ी उम्मीद वास्तव में हमारी आवाज थी, मेरी आवाज थी, और हम जो कर पाए थे, वह भी यही था। तुर्क ने कहा,

> **वोल्कर तुर्क ने कहा है कि विश्व निकाय ने बांग्लादेश की सेना को चेतावनी दी थी कि यदि वह जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल हुई तो उसे संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। बांग्लादेश में छात्रों ने पिछले साल बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे**

और हमने सेना को चेतावनी दी थी कि अगर वह इसमें शामिल होती है, तो इसका मतलब है कि वे अब सेना का योगदान देने वाला देश नहीं रह पाएंगे। परिणामस्वरूप, हमने बदलाव देखे।

गृहमंत्री के निर्देश के बाद एक्शन में दिल्ली पुलिस, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जारी है अभियान

एजेंसी

दिल्ली पुलिस राजधानी के अलग-अलग इलाकों में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान चला रही है। आज दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के वसंत कुंज स्थित जय हिंदी कैंप में अवैध प्रवासियों के खिलाफ सत्यापन अभियान चलाया। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने काली बाड़ी मार्ग के पास जेजे कॉलोनी इलाके में सत्यापन अभियान चलाया था। संगम विहार और मंदिर मार्ग में भी इस तरीके का अभियान चलाया जा चुका है। सब-इंस्पेक्टर रवि मलिक ने बताया कि हम उनके सत्यापन के लिए उनके सभी पहचान-पत्र मांगते हैं। अगर हमें कोई संदिग्ध लगता है, तो उसके पहचान-पत्र सत्यापन के लिए उसके संबंधित जिलों में भेज दिए जाते हैं। अगर हमें कोई अवैध रूप से यहां रहता हुआ मिलता है, तो उसे निर्वासित कर दिया जाता है। उसके सभी विवरणों का सत्यापन किया जाता है। इस वर्ष जनवरी में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे बांग्लादेशी

> **सब-इंस्पेक्टर रवि मलिक ने बताया कि हम उनके सत्यापन के लिए उनके सभी पहचान-पत्र मांगते हैं। अगर हमें कोई संदिग्ध लगता है, तो उसके पहचान-पत्र सत्यापन के लिए उसके संबंधित जिलों में भेज दिए जाते हैं।**

प्रवासियों की पहचान के लिए एक विशेष मिशन शुरू करने का निर्देश दिया था। दिल्ली चुनाव में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का मुद्दा खूब उठा था। भाजपा के सत्ता में आने के साथ ही इसके खिलाफ अभियान में तेजी देखी जा रही है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों को राजधानी में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं सहित अनधिकृत प्रवासियों से निपटने के दौरान स्पष्ट और त्वरित कानूनी दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ₹फिलहाल, उन कॉलोनियों में ऑडिट किया जा रहा है, जहां बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की बड़ी आबादी रहती है। इन अवैध कब्जेदारों को रहने में मदद करने वालों और उन्हें फर्जी दस्तावेज हासिल करने में मदद करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने तेलंगाना के डिविटिपल्ली महबूबनगर जिले में कई विनिर्माण इकाइयों की आधारशिला रखी

विद्युत गतिशीलता सरकार का फोकस क्षेत्र बनी हुई है: श्री अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

जबलपुर। केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज तेलंगाना के महबूबनगर जिले के दिविटिपल्ली में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर में चार विनिर्माण इकाइयों की आधारशिला रखी। समारोह के हिस्से के रूप में, अमारा राजा कंपनी की आगामी गीगा फैक्ट्री-1 के लिए आधारशिला रखी गई, लोहुम कंपनी के महत्वपूर्ण खनिजों के शोधन और बैटरी रीसाइक्लिंग के लिए भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया, सेल एनर्जी द्वारा अपने सेल केसिंग निर्माण के लिए भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया और ऑल्टमिन ने अपनी पहली

एलएफपी-सीएएम गीगा फैक्ट्री की आधारशिला रखी। आधारशिला समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ₹इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सरकार के लिए एक फोकस क्षेत्र बना हुआ है और हम ईवी के प्रचार और अपनाने के लिए सही बुनियादी ढांचे और पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम भारतीय नवाचार और विनिर्माण पहल का स्वागत करते हैं और इस प्रयास की सफलता की आशा करते हैं। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और इसकी आपूर्ति श्रृंखला के साथ ईवी विनिर्माण को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य के हिस्से के रूप में; इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना को अधिसूचित किया, जिसके तहत उसने तेलंगाना के महबूबनगर जिले के दिव्तिपल्ली गांव में 377.65 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) परियोजना की स्थापना के लिए पिछले साल मंजूरी दी थी।

मेसर्स अमारा राजा एडवांस्ड सेल टेक्नोलॉजीज , एंकर यूनिट के रूप में काम कर रही है और इस एटउ में 16 GW सेल मैन्युफैक्चरिंग और 5 GW बैटरी पैक प्लांट के साथ 262 एकड़ भूमि पर अपनी गीगा फैक्ट्री स्थापित कर रही है, जिसमें 5 साल की अवधि में 9,500 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा। एक बार चालू होने के बाद, अमारा राजा गीगा कॉरिडोर से राज्य में 4,500 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और इतनी ही संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर पूरी तरह से आबाद है तथा 4 कंपनियों (अर्थात मेसर्स अमारा राजा, मेसर्स अल्टमिन, मेसर्स लोहाम मैटेरियल और मेसर्स स्केल एनर्जी) को 307.47 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जिसमें उनका अनुमानित निवेश 10,574 करोड़ रुपये है तथा 19,164 (प्रत्यक्ष- 5,864 और अप्रत्यक्ष- 13,300) व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने की प्रतिबद्धता है। अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री जयदेव गल्ला ने अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, ₹शिलान्यास समारोह हमारी कंपनी और समूह के लिए एक बड़ा कदम है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और माननीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के सक्रिय और उद्योग समर्थक होने के लिए आभारी हैं। इस कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, उद्योग और वाणिज्य, विधायी मामलों के मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू, महबूबनगर निर्वाचन क्षेत्र से माननीय सांसद श्रीमती अरुणा डी.के. और विधान सभा सदस्य श्री वाई. श्रीनिवास रेड्डी ने भाग लिया। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं : बिरला

> **संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं।**

ओम बिरला ने राजस्थान कांस्टीट्यूशन क्लब का शुभारंभ किया, सदन में गतिरोध पर दिया बड़ा बयान

एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सहमति और असहमति को लोकतंत्र की ताकत बताते हुए शनिवार को कहा कि विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं है। बिरला ने यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान₹ के शुरूआती कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विधानसभाओं और संसद में सुनियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं, जनता के

प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विधायी संस्थानों को चर्चा और संवाद का केंद्र बनना होगा। बिरला ने कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनों का संकलन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक है। पिछले 75 वर्षों में संविधान के मार्गदर्शन में हमने कई परिवर्तन देखे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह संविधान क्लब पक्ष-विपक्ष के बीच सार्थक विमर्श और सहमति का मंच बनेगा। बिरला ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, विचारशीलता और नीति-निर्माण को दिशा देने वाला मंच है।

वलसाड में लगी भीषण आग, 15 से ज्यादा कबाड़ के गोदाम जलकर खाक

वलसाडः गुजरात के वलसाड जिले के वापी इलाके में शनिवार तड़के भीषण आग लगने से 15 से ज्यादा कबाड़ के गोदाम जलकर खाक हो गए.

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

शुद्धिपत्र

विषय : निविदा सूचना सं. डीआरएम बीआरसी 133 वर्ष 2024-25 में शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं. डीआरएम-बीआरसी-133-वर्ष-2024-25 के लिए शुद्धिपत्र सूचना जारी की जाती है । समान प्रकार का कार्य **"कोइ भी सिविल इंजीनियरींग काम"** के रूप में प्रकाशित किया गया था लेकिन उसे **"रनींग लाइन पर कोइ भी ट्रेक कार्य"** के रूप में पढना होगा । अन्य सभी नियम व शर्तें समान रहेंगें ।

BRC-324

हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

संक्षेप

रोडवेज बस में बुजुर्ग की मौत

महोबा से दवा लेकर लौट रहे थे, बेटे के साथ थे; पुलिस कर रही जांच

बांदा, महोबा से बांदा आ रही रोडवेज बस में यात्रा कर रहे बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के बेटे ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वह अपने पिता के साथ दवाई लेने महोबा गए थे। वापसी यात्रा के दौरान जब बस बांदा पहुंची और सभी यात्री उतरने लगे, तब उनके पिता नहीं उठे। जब उन्होंने देखा तो पिता की मृत्यु हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

नीलगाय की हत्या से तनाव

बजरंग दल ने थाने पर किया प्रदर्शन, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

अमरोहा, रजबपुर थाना क्षेत्र में नीलगाय की हत्या से तनाव का माहौल बन गया है। घटना गांव ईंट का रड़ा में हुई। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन कर अज्ञात गौ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बजरंग दल के जिला संयोजक कुशल चौधरी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जनपद के कई थाना क्षेत्रों में गौ तस्कर सक्रिय हैं। लेकिन पुलिस कार्रवाई में लापरवाही बरत रही है। चौधरी ने प्रशासन को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। थाना प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि दरोगा की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नए ओवरहेड टैंक की सीढ़ियां गिरीं

ग्रामीणों ने जांच की मांग की, जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली पर सवाल

हसनपुर, हसनपुर ब्लॉक स्थित गांव झुंडी माफी में जल जीवन मिशन के तहत एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां नवनिर्मित ओवरहेड टैंक की सीढ़ियां गिर गईं। यह हादसा टैंक निर्माण के तुरंत बाद सीढ़ियों के निर्माण के दौरान हुआ। ग्रामीणों ने निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ओवरहेड टैंक का निर्माण मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। सीढ़ियों का गिरना इसका स्पष्ट प्रमाण है। राम सिंह, मुकेश, रामवीर, खजान, प्यारे, सुरेंद्र, जयचंद, जितेंद्र, दिनेश, डालचंद और संजय सहित कई ग्रामीणों ने अधिकारियों से मामले की जांच की मांग की है। साथ ही दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है। यह घटना जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद अब प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

संगम पर बिछड़े गंगाधर मिश्रा वाराणसी में मिले

बेटा बोला- गांव के लोग कह रहे थे श्राद्ध कर दो, परिजनों को देख छलके आंसू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

वाराणसी, 'हम संगम नोज पर नहाने के लिए पहुंचे थे। साथ में मेरा बेटा भोला मिश्रा और बहु थी। अचानक भीड़ बढ़ी और मै जो की संगम नोज पर भटक गया। लोगों से विनती करता रहा पर किसी को किसी की खबर न थी। एक पुलिस वाले ने काशी जा रही बस में बैठा दिया। यहां कई दिनों तक भटका और एक समाजसेवी ने अपने घर में रखा। अब परिजनों से मिलकर लगा जैसे दूसरा जीवन मिला है।' ये कहना है बिहार के शेखपुरा गांव के पोस्ट ऑफिस से रिटायर्ड गंगाधर मिश्रा का जो अपने परिजनों से मिलाकर अपनी खुशी के आंसू नहीं रोक पा रहे हैं। गंगाधर को वाराणसी के समाजसेवी अमन यादव ने मुकीमगंज में भटकता पाया था और उसे अपने घर में रखा था। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने के बाद गंगाधर के गांव के मुखिया ने दीपक निषाद ने यह देखा और परिजनों को सूचना दी। वो आकर अपने पिता को ले गए। गंगाधर के बेटे भोला मिश्रा अपनी पत्नी के साथ काशी पहुंचे थे। भोला ने बताया- 22 फरवरी को हम सभी ने प्रयागराज में अमृत स्नान किया। पिता जी को पहले स्नान करवाकर घाट किनारे बैठाया और खुद अपनी पत्नी के साथ संगम में पवित्र डुबकी के लिए पहुंचा। इसी दौरान पिता जी भीड़ में गम हो गए। हमने बहुत ढूंढने का प्रयास किया। पर कोई सफलता नहीं मिली। भोला ने बताया- हम दो दिन तक ढूंढने के बाद घर लौट गए। यहां लोगों ने पिता जी के बारे में पूछा तो उन्हें बिछड़ने की बात बताई।

इस पर समाज ने तना देना शुरू किया कि छोड़ आये पिता जी को अब बहाना बना रहे हो। इससे रोने के सिवाए और कोई काम नहीं था हमारे पास बस यही विनती थी कि कैसे भी पिता जी मिल जाए। कई मंदिरों में मन्नत मानी। भोला ने बताया- गांव वालों ने समझाया कि लगता है पिता जी का देहांत हो गया है।

प्रयागराज के शिवाजी डिग्री कॉलेज में विशेष आयोजन

भाजपा नेताओं ने की शिरकत, महिलाओं का किया गया सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, फूलपुर के सहसो स्थित शिवाजी डिग्री कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री संतोष पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संतोष पटेल ने कहा कि महिला दिवस हर महिला के लिए विशेष है। यह दिन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। भाजपा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष कविता पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। समारोह में रूपम त्रिपाठी, ऊषा देवी, संजू विश्वकर्मा, सुषमा मौर्य, मंजू यादव और गीता वर्मा सहित कई महिलाओं का अंगवस्त्र और पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नवीन सिंह, मंडल अध्यक्ष बलीपुर कमलेश मौर्य, बूथ अध्यक्ष जितेंद्र मौर्य समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक अनिरुद्ध सिंह पटेल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सिलीगुड़ी में तैनात सेना के जवान का निधन

- दिल का दौरा पड़ा था, अमेठी में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में तैनात सेना के जवान विनोद सिंह का इलाज के दौरान निधन हो गया। विनोद सिंह अमेठी के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के दादरा गांव के निवासी थे। विनोद सिंह 2008 में सेना की मराठा रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। देश की विभिन्न सीमाओं पर सेवा देने के बाद उनकी वर्तमान तैनाती सिलीगुड़ी में थी। कुछ दिन पहले उन्हें दिल का दौरा पड़ा। सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार को इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। सेना के अधिकारियों ने परिजनों को इस दुखद खबर की सूचना दी। सेना के वाहन से उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा। हजारों की संख्या में उपस्थित स्थानीय लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'विनोद सिंह अमर रहे' के नारे लगाए। मुसाफिरखाना के सीओ अतुल सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश गिरफ्तार

पैर में लगी गोली, दूसरा फरार, शादी में जा रहे राजस्व निरीक्षक से लूटे थे 2 लाख रुपए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, राजस्व निरीक्षक से लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

बलिया में तैनात राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र शुक्ला से 2 मार्च को हुई लूट के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़ा है। राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र शुक्ला अपने बेटे की शादी में जा रहे थे। लखनऊ-बलिया हाईवे पर नगर कोतवाली क्षेत्र के अमहट चौराहे के पास स्थित गायत्री मंदिर के निकट पेट्रोल पंप पर बाइक सवार बदमाशों ने उनसे दो लाख रुपए का बैग छीन लिया था। अपर पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर श्री अखण्ड प्रताप सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो आरोपी मंगल और कृष्णा की पहचान की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी दुगार्पुर की तरफ भाग रहे हैं। पुलिस ने जब उनका पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी मंगल के पैर में गोली लग गई। दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

छात्रा ने कॉलेज की बिल्डिंग से लगाई छलांग

- गंभीर रूप से घायल, प्रेम प्रसंग की आशंका; लखनऊ रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बीकॉम तृतीय वर्ष की 20 वर्षीय छात्रा ने कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। छात्रा ने घर से दोस्त के यहां जाने की बात कहकर घर से निकली थी। दोपहर में उसने संदिग्ध परिस्थितियों में यह कदम उठाया। मौके पर मौजूद स्टाफ और स्थानीय लोग उसे तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। डॉक्टरों के अनुसार छात्रा के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। साथ ही उसकी कमर की हड्डी में भी गंभीर चोट आई है। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। छात्रा रोडवेज में कार्यरत एक कर्मचारी की बड़ी बेटी है। सूत्रों के अनुसार प्रेम प्रसंग के कारण उसने यह कदम उठाया हो सकता है। एएसपी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि छात्रा ने खुद छलांग लगाई या यह कोई दुर्घटना थी। किसी के धक्का देने की आशंका भी जांची जा रही है। पीड़िता के बयान और परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला दिवस पर विशेष पहल

डीएम ने किया प्रज्ञा क्लब की शुरूआत, महिलाओं-छात्राओं के विकास पर होगा काम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अमेठी के कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रज्ञा क्लब की शुरूआत की घोषणा की। यह क्लब जिले के विभिन्न स्कूलों की छात्राओं और महिलाओं के विकास के लिए काम करेगा। कार्यक्रम में सैनिक स्कूल की प्रिंसिपल गीता महादिक, अंतरराष्ट्रीय शूटर सुधा सिंह और जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी समेत कई प्रतिष्ठित महिलाएं मौजूद रहीं।

मिस यूपी फलकनाज ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे चुनौतियों और संघर्षों से न डरें। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कमजोर नहीं हैं और उन्हें कभी हार नहीं माननी चाहिए। प्रज्ञा क्लब के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे महिलाओं को समाज में नई पहचान मिल सके। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के साथ-साथ क्षेत्र के कई सम्मानित लोग भी उपस्थित रहे। यह आयोजन जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

होली खेलने के लिए खुला रहेगा एनआरएससी हॉल

एएमयू की ओर से की गई घोषणा, सिर्फ यूनिवर्सिटी के छात्र ही उड़ा सकेंगे रंग गुलाल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, एएमयू में चल रहे होली खेलने के विवाद पर यूनिवर्सिटी की ओर से विराम लगा दिया गया है। यूनिवर्सिटी की ओर से घोषणा कर दी गई है कि जो भी छात्र होली खेलना चाहते हैं, वह एनआरएससी हॉल में आकर रंग गुलाल उड़ा सकते हैं। होली खेलने के लिए एएमयू का एनआरएससी हॉल 13 और 14 मार्च को खुला रहेगा और किसी के रंग खेलने पर कोई आपत्ति नहीं रहेगी। इसके अलावा छात्र कैंपस में कहीं पर भी होली खेल सकते हैं। लेकिन एनआरएससी हॉल और कैंपस में सिर्फ यूनिवर्सिटी के छात्रों को ही होली खेलने की अनुमति होगी। किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश यहां वर्जित होगा। एएमयू के एलएलएम छात्र अखिल कौशल ने होली मिलन समारोह करने के लिए प्रॉक्टर से अनुमति मांगी थी। छात्र ने 10 मार्च को एनआरएससी हॉल में यह कार्यक्रम करने की मांग की थी। लेकिन प्रॉक्टर की ओर से अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था। इसके पीछे यह तर्क दिया गया था कि यूनिवर्सिटी में कोई नई परंपरा नहीं शुरू की जाएगी। जिसके बाद विवाद छिड़ गया था। सोशल मीडिया से लेकर राजनैतिक नेताओं तक ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी थी। करणी सेना समेत अन्य हिंदुत्व वादी संगठन यूनिवर्सिटी के इस फैसले के विरोध में आ गए थे। एएमयू में होली खेलने का प्रकरण लगातार गरमाने के बाद पुलिस प्रशासन की ओर से एएमयू के अधिकारियों से बातचीत की गई। पुलिस के दखल के बाद यह घोषणा कर दी गई कि 13 और 14 मार्च को एएमयू का एनआरएससी हॉल होली खेलने के लिए खुला रहेगा। एनआरएससी हॉल के प्रोवोस्ट प्रो. बीबी सिंह ने बताया कि दो दिन तक हॉल में होली खेलने पर कोई पाबंदी नहीं है।

छात्र दोनों दिन होली खेल सकते हैं, वह कैंपस में भी होली खेल सकते हैं। लेकिन किसी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित होगा। अगर कोई बाहरी व्यक्ति यहां मिलता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उसे पुलिस को भी सौंप दिया जाएगा।

दहेज के लिए पत्नी और बच्चे को घर से निकाला

5 लाख की मांग, मारपीट से आंखों की रोशनी प्रभावित; पति ने कहा- अच्छे दहेज में दूसरी शादी करूंगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक महिला ने दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। कोतवाली नगर की रहने वाली महिला की शादी 12 नवंबर 2018 को हरिहरपुर ईसापुर निवासी मोहम्मद अजमल खान से हुई थी। शादी में पीड़िता के पिता ने एक लाख रुपये नकद, बुलेट मोटरसाइकिल, जेवरात और घरेलू सामान दिया। इसके बावजूद आरोप है कि दहेज से असंतुष्ट होकर पति मोहम्मद अजमल खान, ससुर मोहम्मद रईस खान, सास रफीकुल निशा, जेठ फिरोज खान, देवर फैयाज खान, जेठानी नरगिस और दो ननदों समेत सभी सुसराल वाले पीड़िता को प्रताड़ित करते थे। सुसराल वालों ने सोने का हार और झाला भी छीना सुसराल वालों ने पांच लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की। पीड़िता के पिता ने छह बेटियों की जिम्मेदारी बताते हुए 25 हजार रुपए दिए। पीड़िता ने बताया कि उसका पति दुश्चरित्र है। वह मोबाइल में दूसरी लड़कियों की अश्लील फोटो दिखाता और उनसे शादी की बात करता। शराब के नशे में मारपीट करता। सुसराल वालों ने उसका सोने का हार और झाला भी छीन लिया। बच्चे की पढ़ाई के लिए भी पैसे नहीं दिए विरोध करने पर पति, सास-ससुर समेत सभी लोग मारपीट करते। इससे पीड़िता को गंभीर चोटें आईं और आंखों की रोशनी प्रभावित हुई। उसका इलाज लखनऊ के इंदिरा गांधी अस्पताल में कराया गया। गर्भावस्था में भी इलाज नहीं कराया गया। बच्चे के जन्म के समय मायके भेज दिया। बच्चे की पढ़ाई के लिए भी पैसे नहीं दिए।

आईजीआरएस निस्तारण में प्रदेश में पहला स्थान

एक माह में 3753 मामले सुलझाए, डीएम ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिले ने आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम) पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिले को फरवरी 2025 में प्रदेश में पहला स्थान मिला है। जिलाधिकारी निशा अनंत के नेतृत्व में जिले ने फरवरी माह में कुल 3753 शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी तरह के उत्कृष्ट कार्य को जारी रखने का निर्देश दिया है। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमित विश्वकर्मा ने बताया कि यह सफलता जिलाधिकारी की प्रतिदिन की समीक्षा का परिणाम है। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई पोर्टल पर आने वाली शिकायतों की नियमित निगरानी की। इससे शिकायत निवारण प्रणाली में सुधार आया और जिले को यह उपलब्धि मिली। शासन द्वारा जारी सूची में अमेठी को पहला स्थान मिलना जिले के लिए गौरव की बात है।

बरसाने की रंगीली गली में शुरू हुई होली

मथुरा में 10किमी तक भीड़, रंग-गुलाल, लट्ठ बरसाने के लिए हुरियारन सज-धज कर तैयार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बरसाने की रंगीली गलियों में हुरियारिन सज-धजकर तैयार हैं। हाथ में तेल लगी लाठी और चेहरे पर घूंघट। हुरियारे भी भगवान कृष्ण के गांव नंदगांव से ढाल लेकर 50डे दूर बरसाना पहुंच गए हैं। हेलिकॉप्टर से रंगीली गली के ऊपर पुष्प वर्षा की जा रही है। थोड़ी ही देर में हुरियारिन नंदगांव से आए सखाओं पर लाठी बरसाएंगी। वे भी गीत गाते ढाल से अपना बचाव करेंगे। बरसाने की वर्ल्ड फेमस होली देखने के लिए देश-विदेश से करीब 10 लाख लोग मथुरा पहुंचे हैं। बरसाने की गलियां एकदम फुल हैं। हर तरफ अबीर-गुलाल उड़ रहा है। जगह-जगह टुकड़ियों में हुरियारिन लट्ठ लेकर खड़ी हैं। रंगीली गली की सावित्री कहती हैं- जब हम लोग होली खेलते हैं, तो ऐसा लगता है कि किशोरीजी (राधा) हमारे साथ हैं और ठाकुरजी हमारे सामने बैठे हैं। सावित्री बताती हैं कि श्रीजी की सखियां ही लट्ठमार होली खेलती हैं। यानी बहुएं ही खेल सकती हैं, यहां की कुंवारी लड़कियां लट्ठमार होली नहीं खेलतीं। रंगीली गली की बहुएं श्रीजी की तरह अपने ठाकुरजी के लिए सजती हैं। हमारा श्रृंगार ठाकुरजी के नाम का है। बरसाने में भारी भीड़ को देखते हुए जगह-जगह पुलिस तैनात है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने बरसाने में गाड़ियों की एंट्री बंद कर दी है। भीड़ को बांटने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस वाले मचान बनाकर ऊंचाई से निगरानी कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई,400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।